● जयपुर, सोमवार, 21 अक्टूबर 24 ● वर्ष 14 ● अंक 65 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in | Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25
RNI. No. RAJHIND/2011/40950

सुविचार
''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''
● स्वामी विवेकानंद

दैनिक
राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000
जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित
अजमेर, सीकर, झुंझुनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

पेज @3 जिला कलक्टर की मौजूदगी में एक हजार करोड़ के निवेश करारों पर बनी सहमति...
पेज @4 मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का विदेश यात्रा से लौटने पर जयपुर एयरपोर्ट...
पेज @8 जेडीए सचिव निशांत जैन ने ली समस्त प्रकोष्ठों की समीक्षा बैठक ...

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जयपुर एयरपोर्ट से लेकर भाजपा कार्यालय तक भव्य स्वागत, अभिनंदन

भाजपा सरकार ने राइजिंग राजस्थान के लिए अब तक 15 लाख करोड़ के एमओयू किए साइन: भजनलाल शर्मा

राइजिंग राजस्थान में पार्टनर कंट्री के लिए जर्मनी और सिंगापुर को दिया न्यौता: भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान

जयपुर। राइजिंग राजस्थान 2024 को सफल बनाने के उद्देश्य से कृत संकल्पबद्ध मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का रविवार को जर्मनी और यूके की यात्रा कर जयपुर लौटने पर भव्य स्वागत अभिनंदन किया गया। जयपुर एयरपोर्ट पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के साथ कैबिनेट मंत्रीगण, भाजपा पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा कर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्वागत किया। एयरपोर्ट के बाद जवाहर सर्किल, स्टेच्यू सर्किल, चौमूं हाउस सर्किल के बाद भाजपा प्रदेश कार्यालय पर भी सीएम भजनलाल शर्मा को अभूतपर्वू स्वागत, वंदन और अभिनंदन किया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यकर्ताओं का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र में किए गए वादों को पू-रा करने के लिए सरकार पहले दिन से संकल्पबद्ध है। विकसित राजस्थान के सपनों को साकार करने के लिए भाजपा सरकार ने पहली ही साल में राइजिंग राजस्थान के लिए निवेशकों से एमओयू करने शुरू कर दिए है। पहले मुंबई, दिल्ली, जापान, दक्षिणी कोरिया के बाद अब जर्मनी और यूके के निवेशकों को राजस्थान में निवेश के लिए तैयार किया गया है। भाजपा सरकार ने राजस्थान में निवेश के लिए अब तक 15 लाख करोड़ रूपए से अधिक के एमओयू साइन कर लिए है। जर्मनी, जापान, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर की बड़ी बड़ी कंपनियां राजस्थान में निवेश के लिए रूची दिखा रही है। भाजपा सरकार का लक्ष्य राजस्थान की अर्थ व्यवस्था को 180 बिलियन डॉलर से 350 बिलियन डॉलर करना है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजधानी जयपुर को खेलों का हब बनाया जाएगा। इसके लिए राजस्थान रॉयल्स की मालिक कंपनी के साथ मिलकर एमओयू किए गए है। वहीं जर्मनी और सिंगापुर को राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट 2024 के लिए पार्टनर कंट्री बनाने का भी निमंत्रण दिया गया है। राजस्थान सरकार ने वेदांता ग्रुप के साथ 1 लाख करोड़ रूपए से अधिक के एमओयू किए है। प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देते हुए वेदांता ग्रुप ने पूंछरी का लौठा और उसके आसपास के क्षेत्र को विकसित करने के लिए आश्वस्त किया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने शेखावाटी के लोगों को पानी से वंचित रखने के लिए हरियाणा चुनाव में यमुना जल समझौते को रद्द करने तक की घोषणा की थी, लेकिन मैंने चुनाव प्रचार के दौरान कहा था कि आओगे तो रद्द करोगे ना! कांग्रेसी नेताओं की हकीकत जनता के सामने आ गई है। कांग्रेसी नेताओं की शेखावाटी के लोगों को पानी पिलाने तक की मंशा नहीं थी। वहीं दूसरी ओर पिछली कांग्रेस सरकार ने राजस्थान में बिजली के उत्पादन को लेकर कुछ नहीं किया। लेकिन भाजपा सरकार ने राजस्थान में अपार संभावनाओं को देखते हुए बिजली के क्षेत्र में 2 लाख 24 हजार करोड़ के निवेश पर एमओयू कर दिए। 2027 तक भाजपा सरकार किसानों को दिन में बिजली, उद्योगों को 24 घंटे बिजली और राजस्थान को बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उपचुनावों में भाजपा प्रत्याशियों को विजयी बनाने का आ''ान करते हुए कहा कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने खींवसर, झुंझुनूं, दौसा, देवली, रामगढ और सलुंबर से जन समर्थन वाले प्रत्याशी को मैदान में उतारा है। ऐसे में हमें इन सभी प्रत्याशियों को विजय दिलानी है। केंद्र में नरेंद्र मोदी देश के 140 करोड़ देशवासियों को अपना परिवार मानकर योजनाएं लागू कर रहे है, उसी तर्ज पर भाजपा सरकार प्रदेश की 8 करोड़ जनता को ध्यान में रखकर सभी 200 विधानसभाओं में विकास के कार्य कर रही है। हमारा उद्देश्य है कि युवाओं को रोजगार मिले, उत्कृष्ठ राजस्थान बने, विकसित राजस्थान बने, इसके लिए हमारी सरकार प्रयासरत है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि विकसित राजस्थान के सपने को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दिन रात प्रयास कर रहे है। एक ओर राजस्थान की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार थी, जिसके समय निवेशक सरकार पर भरोसा तक नहीं कर पा रहे थे। निवेश के लिए कांग्रेस सरकार ने एमओयू तो किए लेकिन उन्हें धरातल पर नहीं ला पाई। एमओयू को धरातल पर नहीं लाने का कारण सरकार की अस्थिरता थी। कांग्रेसी नेता आपसी टांग खिचाई कर रहे थे। सरकार होटलों में से चल रही थी, सरकार बचाने के लिए कांग्रेसी नेता ने पांच साल लगा दिए। ऐसी स्थिति में निवेशकों ने राजस्थान में कोई निवेश नहीं किया। लेकिन आज राजस्थान में डबल इंजन की सरकार पर निवेशक भरोसा जता रहे है। देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार निरंतर विकसित भारत और विकसित राजस्थान के लिए कार्य कर रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि पीएम मोदी कम इन इंडिया, मेक इन इंडिया के लिए कार्य कर रहे है तो मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा कम इन इंडिया और मेक इन राजस्थान के लिए प्रयासरत है। केंद्र की मोदी सरकार और राजस्थान की भजनलाल शर्मा सरकार की द्दढ और मजबूत इच्छा शक्ति के चलते विदेशी निवेशक राजस्थान में आएंगे और निवेश करेंगे। इससे राजस्थान के युवाओं को रोजगार मिलेगा, प्रदेश की संपन्नता बढ़ेगी, आम आदमी का जीवन स्तर में सुधार होगा और विकास के नए आयाम स्थापित होंगे।

कार्यक्रम में मंच पर उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा, मंत्रीगण जोगाराम पटेल, झाबर सिंह खर्रा, हीरालाल नागर, मदन दिलावर, अविनाश गहलोत, सांसद घनश्याम तिवाडी, मंजू शर्मा, दामोदर अग्रवाल, पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ अरूण चतुर्वेदी, अशोक परनामी, विधायक कैलाश वर्मा, गोपाल शर्मा, बाल मुकुंदाचार्य, महेंद्र पाल मीणा, रामोवतार मीणा, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, सीआर चौधरी, जिला प्रमुख रमा चोपडा, प्रदेश महामंत्री संतोष अहलावत, प्रदेश मंत्री भूपेंद्र सैनी, महेंद्र कुमावत, भाजपा कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, सह प्रभारी भवानी शंकर शर्मा, रजनीश चनाना, मेयर कुसुम यादव, उपमहापौर पुनीत कर्नावट सहित भाजपा पदाधिकारी, मोर्चा, प्रकोष्ठ, विभागों के अध्यक्ष और संयोजकों के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्तागण मौजूद रहे।

न्यूज़ अपडेट

बहराइच में नोटिस की डेडलाइन खत्म, अब होगा बुलडोजर एक्शन, मिट्टी में मिल जाएगा हिंसा के मुख्य आरोपी का घर

बहराइच/एजेंसी। बहराइच के महाराजगंज बाजार इलाके में हिंसा के बाद एक्शन जारी है। आज महाराजगंज बाजार इलाके में प्रशासन बुलडोजर की कार्रवाई कर सकता है। सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण को लेकर पीडब्लूडी ने 23 मकानों को नोटिस दिया है। इसकी डेडलाइन खत्म हो चुकी है। पीडब्लूडी विभाग की तरफ से दिया गया तीन दिनों का टाइम पूरा हो गया है। ऐसे में पीडब्लूडी विभाग का बुलडोजर कभी भी बहराइच के महाराजगंज बाजार में गरजना शुरू कर सकता है। पीडब्लूडी ने अपने नोटिस में साफ कहा है कि अगर लोगों ने अवैध निर्माण खुद नहीं गिराया तो प्रशासन गिराने के बाद वसूली करेगा। यही वजह है कि पीडब्लूडी के नोटिस के बाद कुछ लोगों ने अपने घर के ऊपर बने अवैध निर्माण को खुद ही तोडना शुरू कर दिया है। पीडब्लूडी का नोटिस मिलने के बाद दुकानों से लोगों ने समान हटा लिया है, जो दुकानें 13 अक्टूबर से पहले तक गुलजार थीं। अब वहां सन्नाटा है। महाराजगंज बाजार में बनी अवैध दुकाने खाली हो गई हैं, लेकिन ज्यादातर लोगों ने अभी तक अवैध निर्माण को नहीं हटाया है। हिंसा के बाद से बहराइच के महाराजगंज बाजार का इलाका पुलिस छावनी बना हुआ है। किसी भी बाहरी की महाराजगंज में एंट्री पर रोक है।

तेज रफ्तार बस ने टेंपो को मारी टक्कर, 12 लोगों की मौत

धौलपुर/एजेंसी।

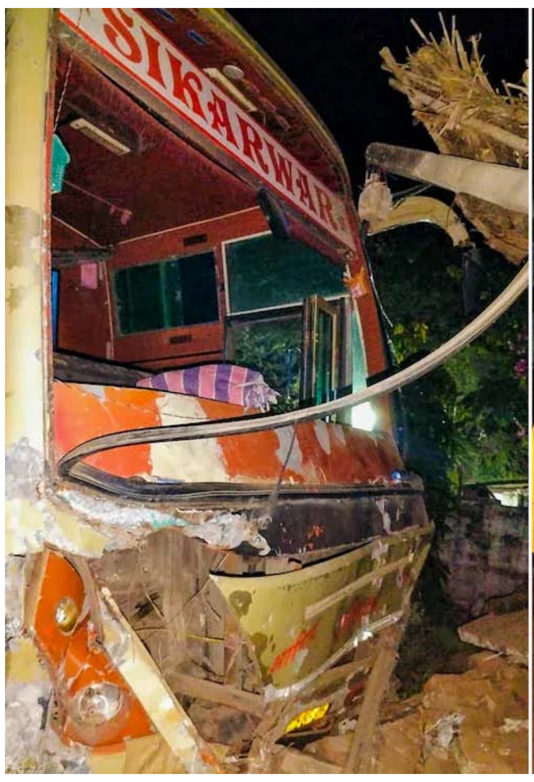

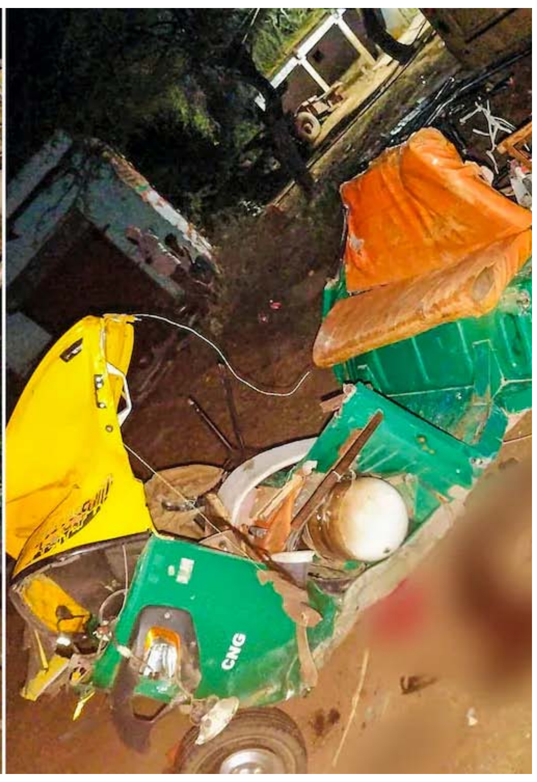

राजस्थान के धौलपुर में बीती देर रात नेशनल हाईवे-11बी पर भीषण सड×क हादसा हुआ। इस हादसे में 8 बच्चों और दो महिलाओं समेत 12 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, शनिवार को देर रात करीब 11 बजे एक तेज रफ्तार बस ने टेंपो को टक्कर मार दी। यह हादसा बाड़ी उपखंड इलाके में हुआ। टेंपो में सवार लोग किसी कार्यक्रम से वापस लौट रहे थे, तभी तेज रफ्तार बस ने उन्हें टक्कर मार दी। जिससे टेंपो के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद चीख पुकार मच गई। इस दौरान हाईवे से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और सभी घायलों को इलाज के लिए धौलपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं, मृतकों के शवों को बाड़ी अस्पताल की मॉर्च्यूरी में रखवाया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। इस हादसे में बस भी क्षतिग्रस्त हुई है, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। बाड़ी अस्पताल के पीएमओ डॉ. हरिकिशन मंगल के अनुसार रात 12 बजे घायलों को इलाज के लिए बाड़ी अस्पताल लाया गया था, जहां डॉक्टरों ने सभी घायलों का इलाज शुरू किया। उन्होंने बताया कि 14 लोगों को अस्पताल लाया गया था, जिनमें से 12 लोगों की मौत हो चुकी थी। वहीं, 2 लोग गंभीर रूप से घायल थे, उन्हें बेहतर इलाज के लिए धौलपुर रेफर कर किया।

बाड़ी कोतवाली थाना प्रभारी शिव लहरी मीणा ने बताया कि टेपों में सवार लोग बरौली गांव में रिश्तेदारी के भात कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे। इसी दौरान सुनीपुर गांव के नजदीक एक स्लीपर कोच बस ने टेंपो को टक्कर मार दी। घायलों में स्लीपर कोच बस का चालक और परिचालक भी हैं। सभी शवों को मोर्चरी में रखवा दिया गया है।

दिल्ली के रोहिणी में सीआरपीएफ स्कूल के पास तेज धमाका

मचा हड़कंप, ब्लास्ट से टूट गये आसपास के घरों के शीशे

नई दिल्ली/एजेंसी

दिल्ली के रोहिणी स्थित प्रशांत विहार इलाके में सोमवार को धमाके की तेज आवाज सुनाई दी, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। यह धमाका केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल के स्कूल की दीवार के पास हुआ। धमाके के तुरंत बाद धुएं का एक बड़ा गुबार देखा गया, जिससे स्थानीय लोग दहशत में आ गए।

रोहिणी के डीसीपी अमित गोयल ने बताया कि धमाके की असल वजह का पता लगाने के लिए एक्सपर्ट्स को बुलाया गया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि धमाका किस प्रकार का था और इसका स्त्रोत क्या है। डीसीपी ने कहा कि विशेषज्ञ टीम घटना की विस्तृत जांच कर रही है और जल्द ही स्थिति स्पष्ट होगी।

दिल्ली पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (स्नस्नु) की टीम को मौके पर बुलाया है। एफएसएल की टीम धमाके के कारणों की जांच करेगी और यह स्पष्ट करेगी कि यह किसी प्रकार का हमला है या फिर कोई दुर्घटना।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की टीम भी घटनास्थल पर पहुंच गई है और जांच में सहयोग कर रही है। सूत्रों के अनुसार, धमाके की वजह से आसपास खड़ी गाडियों के शीशे टूट गए हैं। कुछ घरों के शीशे टूटने की भी जानकारी सामने आई है। हालांकि धमाका कैसे हुआ इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

खुली आंखों से समानता के साथ न्याय करने का संदेश

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) डीवाई चंद्रचूड़ ने भारतीय न्याय प्रणाली की अनेक विसंगतियों एवं विषमताओं को दूर करते हुए अब न्याय की देवी की मूर्ति की आंखों से काली पट्टी हटा दी गई है। इसके साथ ही मूर्ति की हाथ में तलवार की जगह संविधान ने ले ली है। यह कानून को सर्वद्रष्टा एवं भारतीयता का रंग देने की एक सार्थक एवं समयोचित पहल है। सांकेतिक रूप से देखा जाए तो कुछ महीने पहले लगी न्याय की देवी की नई मूर्ति साफ संदेश दे रही है कि न्याय अंधा नहीं है और वह संविधान के आधार पर काम करता है। इस सराहनीय कदम के बावजूद एक बड़ा सवाल है कि क्या मूर्ति की आंखों से पट्टी हटा देने का असर कानूनी प्रक्रिया पर पड़ेगा? भारत में न्याय प्रणाली पर आम धारणा है कि पुलिस और अदालतें लोगों की जिंदगी को तबाह कर देती हैं, वर्षों लम्बी न्याय प्रक्रिया झेलने के बाद भी लोगों को समुचित न्याय नहीं मिल पाता है। न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है, न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी आदर्श न्याय व्यवस्था में आम व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है। लेकिन यह स्थिति कब बनेगी? क्या न्याय की देवी की मूर्ति में परिवर्तन करने से न्याय प्रक्रिया में कुछ बदलाव हो सकेगा?

खुली आंखों से समानता के साथ न्याय करने का संदेश देने वाला यह बदलाव सुप्रीम कोर्ट की जजों की लाइब्रेरी में लगी न्याय की देवी की प्रतिमा में हुआ है। इस प्रतिमा में न्याय की देवी को भारतीय वेषभूषा में दशार्या गया है। वह साड़ी में दर्शाई गई हैं। सिर पर सुंदर का मुकुट भी है। माथे पर बिंदी, कान और गले में पारंपरिक आभूषण भी नजर आ रहे हैं। जो प्रतीकात्मकता में बदलाव का संकेत है और भारत में न्याय की उभरती भावना को दशार्ता है। लेकिन नई प्रतिमा जिन मूल्यों एवं मानकों की ओर इशारा कर रही है, क्या उसे समझने एवं देखने की हमारी तैयारी है? अगर इस प्रतीकात्मक बदलाव के मूल उद्देश्य को हम नहीं समझ पायेंगे तो यह बदलाव भी अर्थहीन ही होगा। निश्चित ही प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ की अगुवाई में सुप्रीम कोर्ट और न्याय व्यवस्था पारदर्शिता की ओर कदम बढ़ा रही है। लगातार यह संदेश देने की कोशिश हो रही है कि न्याय सभी के लिए है, न्याय के समक्ष सब बराबर हैं और कानून अब अंधा नहीं है। अब न्याय की देवी के एक हाथ में तराजू और दूसरे हाथ में पुस्तक है जो संविधान जैसी दिखती है।

यह सर्वविदित एवं लोगों में आम धारणा है कि थाना-पुलिस और कोर्ट-कचहरी का चक्कर लगा-लगा कर आम आदमी की जिंदगी तबाह हो रही है, तब मूर्ति की आंखों से पट्टी हटाकर भला क्या सुधर जाना है? न्याय की देवी को सच में आंखें देनी हैं तो कानून में आमूल-चूल परिवर्तन, त्वरिता, समयबद्धता एवं समानता की जरूरत होगी। यह तो चीफ जस्टिस भी जानते हैं। आखिर किसे नहीं पता कि इस देश में सड़क से लेकर अदालत तक, हर जगह कानून की धज्जियां उड़ती हैं और न्याय की देवी यूं ही स्टैच्यू बनी रहती हैं। कोई हरकत नहीं, बिल्कुल संवेदनहीन। सड़कों पर कानून तमाशबीन बनकर खड़ा है, थाने में वह उगाही और उत्पीड़न का अस्त्र बना है तो अदालतों में दलीलों और तारीखों की बेइंतहा ऊबाऊ प्रक्रिया का जटिल हिस्सा है, जिसकी जकड़न में गए तो खैर नहीं। अब तक अंधे कानून की त्रासदी न्याय की देवी देख नहीं पाती थीं, अब वो खुली आंखों से सब देखेंगी। कम-से-कम उम्मीद तो कर ही सकते हैं कि देख पाने के कारण न्याय की देवी की मूर्ति में भी संवेदना जग जाए। जस्टिस चंद्रचूड़ ने वाकई अच्छी पहल की है, उसका स्वागत होना चाहिए। 1983 को एक फिल्म अंधा कानून रिलीज हुई थी। इस फिल्म एवं इसके गाने में कोर्ट-कचहरी, वकील-दलील, सुनवाई-फैसले के हालात को शब्द दिए गये हैं। कहा गया कि अस्मतें लुटीं, चली गोली, इसने आंख नहीं खोली। फिर गीत कहता हैं- लंबे इसके हाथ सही, ताकत इसके साथ सही। पर ये देख नहीं सकता, ये बिन देखे है लिखता। इस तरह फिल्म कानून को अंधा बताती है। स्थिति यह है कि आज भी न्यायालयों में यह चर्चा अमूमन होती है कि अदालत में पेश होने वाले अभियोजन या अभियोग पक्ष के रुतबे को देखकर न्याय प्रभावित हो जाता है। लेकिन उस समय की मूर्ति की मूल भावना कहां और कितनी प्रभावी रही है, यह सर्वविदित है। अब नयी संशोधित प्रतिमा का संदेश है कि देश में न्याय अंधा नहीं है, वह इस बात पर जोर देती है कि भारत में न्याय दूरदर्शिता और समानता के साथ काम करता है। जो संतुलन और निष्पक्षता का प्रतीक है-यह दशार्ता है कि न्यायालय किसी निर्णय पर पहुँचने से पहले सभी पक्षों से तथ्यों और तर्कों को तौलता है। इसका मतलब है कि कानून की नजर में सभी बराबर हैं, इसमे न पैसे वाले का महत्व, न रुतबा, ताकत और हैसियत को महत्व दिया जाता है।

न्याय की देवी, जिसे हम अक्सर अदालतों में देखते हैं, असल में यूनान की देवी हैं। उनका नाम जस्टिया है और उन्हीं के नाम से 'जस्टिस' शब्द आया है। उनकी आंखों पर बंधी पट्टी दिखाती है कि न्याय हमेशा निष्पक्ष होना चाहिए। 17वीं शताब्दी में एक अंग्रेज अफसर पहली बार इस मूर्ति को भारत लाए थे। यह अफसर एक न्यायालय अधिकारी थे। 18वीं शताब्दी में ब्रिटिश राज के दौरान न्याय की देवी की मूर्ति का सार्वजनिक रूप से इस्तेमाल होने लगा। भारत की आजादी के बाद भी हमने इस प्रतीक को अपनाया। यह बदलाव औपनिवेशिक शासन के अवशेषों को हटाने के अन्य प्रयासों को दशार्ता है, भारत गुलामी के सभी संकेतों से बाहर निकलना चाहता है। जैसे कि हाल ही में आपराधिक कानूनों में बदलाव, भारतीय दंड संहिता की जगह भारतीय न्याय संहिता को लागू करना है। यहां नई मूर्ति के नए संकेतों का अर्थ गहराई से समझना भी जरूरी है। न्याय समाज में संतुलन का प्रतिनिधित्व करें, न्यायिक संचालन-प्रक्रिया सांविधानिक प्रावधानों के अनुरूप चले। सबको समान रूप से देखें। हम न्याय की देवी द्वारा इंगित मूल्यों में संजीदगी दिखाये।

हमें इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि आखिर भारतीय न्याय-व्यवस्था को लेकर आम धारणा इतनी कटु क्यों है? यह क्यों माना जाता है कि यहां न्याय देर से मिलता है, जबकि अदालतों में तारीखें अनवरत मिलती रहती हैं? जिस सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की वकालत की गई है, उसे वास्तविक अर्थों में साकार करने में हम अब तक क्यों विफल रहे हैं? जब तक इन सवालों के उचित जवाब हम नहीं खोज लेते हैं, तब तक न्याय की देवी के प्रतीक-चिह्नों की सार्थकता कठघरे में खड़ी की जाती रहेगी।

भारत की प्रगति अवरुद्ध करने का षड़यंत्र

रमेश शर्मा

पूरे देश में स्कूलों, हवाई अड्डों, विमानों को बम से उड़ाने की धमकी, रेल पटरियों पर कहीं डेटोनेटर, कहीं लकड़ी के गट्ठर, कहीं गैस सिलेंडर मिलने लगे। इसके साथ हिन्दू त्यौहारों पर हमले बढ़ गये। यह भारतीय समाज जीवन में भय, आतंक और तनाव फैला कर प्रगति अवरुद्ध करने का नया षड्यंत्र है। इसमें भारत विरोधी अंतरराष्ट्रीय और भारत के भीतर की दोनों शक्तियों का गठजोड़ दिखता है। देशभर में हुए दुर्गा विसर्जन में पथराव और बहराइच में क्रूरता पूर्वक की गई हत्या के दर्द से देश उबरा भी नहीं था कि भारतीय विमानों को उड़ाने की धमकियाँ आने लगीं। दुर्गा विसर्जन से शरद पूर्णिमा के बीच चार दिनों में कुल उन्नीस धमकियाँ मिलीं। सावधानी के लिये सात उड़ानों को या तो स्थगित किया गया अथवा आपात लैंडिंग की गई। कुछ तो ऐसे विमानों की भी आपात लैंडिंग हुई जो विदेश जा रहे थे। हालाँकि विमानों को उड़ाने धमकी भरे ईमेल या फोन और हिन्दू त्यौहारों पर हमलों की घटनाएँ पहले भी हुई हैं। लेकिन पिछले छै महीनों से भारतीय समाज जीवन में आतंक और तनाव फैलाने वाली इन घटनाओं में बाढ़ सी आ गई है। ये घटनाएँ तीन प्रकार की हैं। इनमें स्कूल, अस्पताल और विमानों और विमानतलों को बम से उड़ाने की धमकियाँ सोशल मीडिया अथवा ईमेल से आईं, दूसरा रेल पटरियों पर कहीं डेटोनेटर, कहीं गैस सिलेंडर, कहीं पत्थर, कहीं लकड़ी के गट्ठर तो कहीं लोहे की राड रखकर रेल दुर्घटना करने का कुप्रयास हुआ और हिन्दु त्यौहारों पर हमले। भारत में ये घटनाएँ नई नयी हैं, ऐसी घटनाएँ पहले भी हुई हैं लेकिन पिछले छह महीनों में घटी घटनाओं में अंतर है। एक तो संख्या में कई गुना बढ़ोत्तरी हुई है, दूसरे क्रूरता बढ़ी है। हमलों और पथराव का यह क्रम कांवड़ यात्राओं से आरंभ हुआ था। जो गणेशोत्सव और दुर्गा उत्सव में निरंतर बढ़ता रहा। दुर्गाउत्सव में ऐसा कोई दिन नहीं बीता जब दो चार स्थानों से झांकियों पर पथराव का समाचार न आया हो। कुछ घटनाओं में तो झांकियों के भीतर घुसकर प्रतिमा खंडित करने और महिलाओं के साथ मारपीट करने के समाचार भी आये। बहराइच में भीड़ की आक्रामकता से हमलावरों की क्रूरता आसानी समझी जा सकती है। यह सब ऐसे समय हो रहा है जब भारत में एकजुटता की आवश्यकता थी। इन दिनों भारत विकास की नई अंगड़ाई ले रहा है। आर्थिक समृद्धि से लेकर अंतरिक्ष की ऊँची उड़ान तक नये कीर्तिमान बन रहे हैं। यह विश्व में भारत की बढ़ती साख और प्रतिष्ठा का नया अध्याय है कि गाजा पट्टी का तनाव रोकने और यूक्रेन-रूस युद्ध के समाधान के लिये दुनिया भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आगे आने की अपेक्षा कर रही है। भारत की यह प्रगति और प्रतिष्ठा की मंजिल नहीं है, पहला चरण है। लक्ष्य तो विश्व में सर्वश्रेष्ठ स्थान अर्जित करने का है। इसके लिये प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2047 निर्धारित किया है। वह भारत की स्वतंत्रता का शताब्दी वर्ष होगा । मोदीजी का संकल्प है कि स्वतंत्रता की शताब्दी वर्षगांठ पर भारत राष्ट्र विश्व में सर्वश्रेष्ठ स्थान पर प्रतिष्ठित हो। यह काम केवल मोदीजी के संकल्प और सरकार की नीति निर्णयों से नहीं होगा। इसके लिये संपूर्ण भारत और भारत वासियों को एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा। तभी वर्तमान प्रगति यात्रा अनवरत रह सकेगी और भारत का परम् वैभव पुनर्प्रतिष्ठित हो सकेगा। जिस समय संपूर्ण राष्ट्र में एकत्व और सक्रियता की आवश्यकता है तब बम से उड़ाने की धमकियों से आतंक का वातावरण बनाना, रेल की पटरियों को क्षतिग्रस्त करके समाज जीवन में भय उत्पन्न करना और हिन्दू त्यौहारों पर लगातार हमले करके साम्प्रदायिक तनाव उत्पन्न करना साधारण नहीं हो सकता। यह आशंका निराधार नहीं हो सकती कि यह भारत की विकास गति अवरुद्ध करने का षड्यंत्र है। इन तीनों के परिणाम पर विचार करें तो इसमें देश विरोधी गहरे कुचक्र की गंध आती है। किसी न किसी स्तर पर इन तीनों प्रकार की घटनाओं के सूत्र एक दूसरे से जुड़े लगते हैं। चूँकि ये घटनाएँ किसी प्राँत या क्षेत्र में घटीं हों इनमें साम्य है। तीनों प्रकार की सर्वाधिक घटनाएँ उत्तरप्रदेश में घटीं। इसके अतिरिक्त बंगाल, असम, राजस्थान, झारखंड, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, कर्नाटक, महाराष्ट्र और गुजरात से भी आईं। इन सभी प्राँतों के समाज जीवन में बहुत विविधता है। लेकिन सभी प्राँतों में तनाव फैलाने वाली घटनाओं की शैली एक ही है । रेल पटरियों पर अवरोध खड़ा करने और फिश प्लेट ढीली करने की आरंभिक घटनाएँ कैमरे की नजर में आ गईं थीं। जिससे पुलिस आरोपियों तक पहुँच गई थी और कुछ गिरफ्तारी भी हुई। लेकिन बाद की घटनाओं में आरोपितों ने सावधानी बरती और घटना के लिये वे स्थान चुने गये जो कैमरे की पहुँच से दूर हों। इसी प्रकार स्कूल, अस्पताल और हवाई जहाज को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल भी बहुत योजना से भेजे गये। ये भेजे तो भारत से ही भेजे गये थे पर अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से। ताकि आसानी से पकड़ में न सकें। रेल पटरियों पर अवरोध खड़ा करने की घटनाओं में जो सावधानी दूसरे चरण में बरती गई, बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल में वह सावधानी पहले दिन से बरती गई। किसी भी परिवार, समाज या राष्ट्र की प्रगति और समृद्धि के लिये सबको एकजुट होना आवश्यक है। सबके साथ से ही सबका विकास संभव है। लेकिन यदि परिवार समाज या राष्ट्र के आंतरिक वातावरण में तनाव है, भय है या टकराव है तो सबसे पहले विकास गति ही प्रभावित होती है। पिछले दस वर्षों से भारत ने जो विकास गति पकड़ी है उससे आयात घटा है, आत्मनिर्भरता बढ़ी है। यह भारत की विकसित तकनीकि का प्रमाण है की अब दुनियाँ के पन्द्रह देश अपने उपग्रहों के प्रक्षेपण में भारतीय तकनीकी की सहायता ले रहे हैं। इससे चीन जैसे अनेक देश ही नहीं अमेरिका और कनाडा की भी एक विशेष लॉबी चिंतित है। इन लॉबियों का गठजोड़ बांग्लादेश के सत्ता परिवर्तन में देखा जा सकता है। वह कहने के लिये छात्र आँदोलन था लेकिन परदे के पीछे वे कट्टरपंथी थे जिनकी मानसिकता भारत और सनातन विरोधी रही है। आंदोलन के साथ हिन्दू मंदिरों और बस्तियों को निशाना बनाया गया। सत्ता परिवर्तन के बाद दुर्गा उत्सव पर लगातार हमले हुये। वह मुकुट भी गायब कर दिया गया जो प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी बांग्लादेश यात्रा के समय भेंट किया था। केवल दुर्गा उत्सव के दौरान हमलों और हत्याओं की पैंतीस बड़ी घटनाएँ घटीं जो अंतराष्ट्रीय मीडिया में आईं। इसे सामान्य नहीं माना जा सकता कि बंगलादेश में कट्टरपंथियों की सफलता के बाद ही भारत में हमले बढ़े हैं। भारत के भीतर दो प्रकार की धाराएँ काम कर रहीं हैं। एक वह राजनैतिक धारा जो सनातन धर्म और परंपराओं को समाप्त करना चाहते हैं। वे अपने उद्देश्य को छुपाते भी नहीं हैं। खुलकर सनातन धर्म को डेंगू- मलेरिया के वायरस जैसा बता कर समाप्त करने की बात करते हैं। दूसरी कट्टरपंथियों की वह धारा है जो मुसलमानों में राष्ट्र की मूलधारा से अलग एकजुटता और आक्रामकता बनाये रखने का अभियान चला रही है। यह केवल भारत में नहीं चल रहा। पाकिस्तान बंगलादेश और अफगानिस्तान सहित भारत के सभी पड़ोसी देशों में चल रहा है। इसे पाकिस्तान और बांग्लादेश के सत्ता परिवर्तन और उसके बाद की घटनाओं से समझा जा सकता है। यह केवल संयोग नहीं है कि पाकिस्तान की सत्ता परिवर्तन के बाद बंगलादेश के घटनाक्रम में तेजी आई और बंगलादेश के सत्ता परिवर्तन के बाद भारत में कट्टरपंथ की गतिविधियाँ तेज हुईं । बांग्लादेश के घटनाक्रम के बाद भारत के कट्टरपंथियों का मनोबल कितना बढ़ा, इसकी झलक कश्मीर, उत्तर प्रदेश, बंगाल, आसाम और तेलंगाना आदि राज्यों में कुछ धर्मगुरुओं के भाषणों की शैली से समझा जा सकती है। इस शैली को सनातन परंपराओं की कांवड़ यात्रा या हिन्दू त्यौहारों पर हमलों से अलग नहीं देखा जा सकता। इसका लाभ उन अंतराष्ट्रीय शक्तियों को मिला जो भारत की विकास गति अवरुद्ध करना चाहती हैं। कट्टरपंथियों का उद्देश्य भारत में अपना वर्चस्व बनाना है तो अंतराष्ट्रीय शक्तियों का उद्देश्य भारत की विकासगति कमजोर करना है। दोनों को अपनी सफलता का सूत्र भारत में भय आतंक और टकराव का सामाजिक वातावरण बनाने में ही दिखता है। पिछले छह माह से भारत में घटने वाली घटनाओं से दोनों के उद्देश्य पूरे हो रहे हैं।

हिन्दू त्यौहारों पर हमलों से साम्प्रदायिक तनाव बढ़ने लगा तो रेल पटरियों पर अवरोध करने और रेल दुर्घटनाओं से समाज में भय उत्पन्न हुआ और विमान की उड़ानों और विमानतल उड़ाने की धमकियों से पूरे प्रशासन को बचाव की सावधानी में लगाना। समाज जीवन की कार्यशीलता भी प्रभावित हुई। यदि तनाव, टकराव और भय का यह वातावरण लंबे समय तक चला तो निःसंदेह भारत की विकास गति प्रभावित होगी जो कुछ अंतराष्ट्रीय शक्तियाँ चाहतीं हैं। इसलिये पूरे समाज को जागरुकता रहने की, संगठित रहने की और समरस रहने की आवश्यकता है। ताकि देश विरोधी शक्तियों का षड्यंत्र सफल न हो। चूँकि संगठित और सुदृढ़ समाज की देश विरोधी शक्तियों का सामना कर सकता है ।

अंधा कानून : पांच करोड़ मुकदमे पैंडिग और मीलार्ड मूर्ति बदल रहे हैं !

मनोज कुमार अग्रवाल

भारत की सबसे बड़ी अदालत में 'न्याय की देवी' वाली प्रतिमा में बड़े बदलाव किए गए हैं. अबतक इस प्रतिमा पर लगी आंखों से पट्टी हटा दी गई है. वहीं, हाथ में तलवार की जगह भारत के संविधान की प्रति रखी गई है. सुप्रीम कोर्ट के सूत्रों का कहना है कि यह नई प्रतिमा पिछले साल बनाई गई थी और इसे अप्रैल 2023 में नई जज लाइब्रेरी के पास स्थापित किया गया था. लेकिन अब इसकी तस्वीरें सामने आई हैं जो वायरल हो रही हैं.पहले इस प्रतिमा में आंखों पर बंधी पट्टी कानून के सामने समानता दिखाती थी. इसका अर्थ था कि अदालतें बिना किसी भेदभाव के फैसला सुनाती हैं. वहीं, तलवार अधिकार और अन्याय को दंडित करने की शक्ति का प्रतीक थी. हालांकि अब सुप्रीम कोर्ट जजों की लाइब्रेरी में लगी न्याय की देवी की नई प्रतिमा में आंखें खुली हुई हैं और बाएं हाथ में संविधान है। सवाल यह है कि इस बदलाव से क्या देश की न्याय व्यवस्था में कुछ सकारात्मक परिणाम आएगा? क्या देश के सुप्रीम कोर्ट के जजो के चयन की प्रक्रिया से कालेजियम का ग्रहण हटाया जाएगा? क्या देश की अदलतो में न्याय की गुहार कर रहे लंबित पांच करोड़ मुकदमों की सुनवाई पूरी हो जाएगी? क्या एक गरीब आदमी को सस्ता सुलभ न्याय दे पाएंगे?

आपको बता दें कि मान्यता है कि न्याय का सिद्धांत सबके लिए समान है, और न्याय की देवी इसका प्रतीक मानी जाती हैं। सदियों से न्याय की देवी को विश्वभर की अदालतों में तराजू तलवार और आंखों पर बंधी पट्टी के साथ दशार्या जाता है। यह प्रतीक न्याय के निष्पक्ष और समान वितरण को दशार्ता है, जहां सभी बिना भेदभाव के बराबर होते हैं। मगर सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए न्याय की प्रतीक देवी की प्रतिमा को नया रूप दिया है। भारतीय संविधान लागू होने के 75वें वर्ष में न्याय की देवी की आंखों पर बंधी पट्टी हटा दी गई है, और अब उनके हाथ में तलवार की जगह संविधान है।

न्याय की मूर्ति में इस बदलाव को लेकर अधिकतर सकारात्मक प्रतिक्रियाएं आ रही है और काननू के जानकारों के द्वारा इसको सही ठहराया जा रहा है। हालांकि, इस फैसले पर राजनीति गरमा गई है, जिसमें शिवसेना उद्धव बालासाहेब के नेता संजय राउत ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। शिवसेना के यूबीटी सांसद संजय राउत ने न्याय की देवी की आंखों से पट्टी हटाने के निर्णय की आलोचना करते हुए सवाल उठाया है और कहा है कि न्यायालय का काम संविधान की रक्षा करना और संविधान के तहत न्याय करना है, लेकिन अभी सुप्रीम कोर्ट में क्या हो रहा है? आखिर वे न्याय की देवी के हाथों से तलवार हटाकर उसे संविधान से बदलने का फैसला कर क्या साबित करना चाहते हैं? वे पहले ही संविधान को मार रहे हैं और

अब न्याय की देवी की आंखों पर बंधी पट्टी हटाकर भ्रष्टाचार और संविधान की हत्या को खुलेतौर पर दिखाना चाहते हैं। यह भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का प्रोपेगैंडा और अभियान है। राजनीतिक पार्टियों द्वारा भले ही न्याय की मूर्ति में बदलाव को राजनीतिक मुद्दा बनाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन यह बदलाव सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की पहल पर हुआ है। उनकी सोच है कि भारत को अपनी अंग्रेजी विरासत से आगे बढ़ने की आवश्यकता है। उनका मानना है कि न्याय की आंखें खुली होनी चाहिए, ताकि सभी के साथ समानता का व्यवहार हो। उनका कहना है कि अदालतें संविधान के आधार पर न्याय करती हैं और तलवार का प्रतीक हिंसा का होता है, जिसे हटाकर सबिधान का स्थान दिया गया है। इस नई प्रतिमा में तराजू को बनाए रखा गया है, ताकि यह दिखाया जा सके कि अदालतें फैसला करने से पहले दोनों पक्षों को बराबरी से सुनती और तौलती हैं। दरअसल न्याय की देवी यानी लेडी ऑफ जस्टिस का इतिहास कई हजार साल पुराना है। इसकी अवधारणा प्राचीन ग्रीक और मिस्र की सभ्यता के दौर से चली आ रही है। न्याय की देवी, जिसे लेडी जस्टिस भी कहते हैं, की प्राचीन छवियां मिल की देवीमाता से मिलती-जुलती हैं। मात मिस्त्र के प्राचीन समाज में सत्य और व्यवस्था की प्रतीक थीं। प्रौक पौराणिक कथाओं में न्याय की देवी श्रीमिस और उनकी बेटी डिकी हैं, जिन्हें एस्ट्राया के नाम से भी जाना जाता है। प्राचीन यूनानी दैवीय कानून और रीति-रिवाजों की प्रतिमूर्ति देवी थेमिस और उनकी बेटी डिकी की पूजा करते थे। डिकी को हमेशा तराजू लिए हुए चित्रित किया जाता था और ऐसा माना जाता था कि वह मानवीय कानून पर शासन करती है। प्राचीन रोम में डिकी को जस्टिटिया के नाम से भी जाना जाता था। ग्रीक देवी 'थीमिस' कानून, व्यवस्था और न्याय का प्रतिनिधित्व करती थी, जबकि रोमन सभ्यता में देवी 'मात' थी, जो कि व्यवस्था के लिए खड़ी एक ऐसी देवी थी, जो तलवार और सत्य के पंख रखती थी। हालांकि, मौजूदा न्याय की देवी की सबसे सीधी तुलना रोमन न्याय की देवी जस्टिटिया से की जाती है। ग्रीक सभ्यता दुनिया की ज्ञात सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक है। ग्रीक सभ्यता में हजारों देवी-देवताओं की मान्यता रही है। वहां खेत, अंगूर, शराब, पानी, हवा, आकाश, रंगमंच, संगीत जैसी हर चीज के लिए एक देवी या देवता रहा है। प्राचीन ग्रीक के लोग अगाध भाग्यवादी थे और अपने हर कर्म में दैवीय मौजूदगी को मानते थे। यह उनके आध्यात्मिक प्रतीक थे, यह उनका दर्शन था, जिनसे वे मार्गदर्शन लिया करते थे। न्याय के लिए भी उन्होंने अपनी कल्पना से ऐसी फिलासफी सामने रखी, जो एक ऐसे प्रतीक के रूप में सामने आई जो दुनिया भर में अपनाई गई। पुनर्जागरण काल में यूरोप में मिथकों की निर्माण भी चलता रहा। नए उभरे गणराज्यों में न्याय की देवी नागरिकों के लिए कानून और न्याय की एक शक्तिशाली प्रतीक बन गई। यह राजाओं के दैवीय अधिकार के सिद्धांत का समर्थन करती थी, लेकिन इसमें लोकतांत्रिक सिद्धांतों के साथ न्याय की निष्पक्षता का महत्वपूर्ण सिद्धांत अहम था। न्याय की देवी के प्रतीक को दशार्ने वाली कलाकृतियां, पेंटिंग, मूर्तियां दुनिया भर में पाई जाती हैं। उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, मध्य- पूर्व, दक्षिणी एशिया, पूर्वी एशिया और ऑस्ट्रेलिया की अदालतों, कानून से जुड़े दफ्तरों, कानूनी संस्थाओं और शैक्षणिक संस्थानों में न्याय की देवी की प्रतिमाएं और तस्वीरें देखने को मिलती हैं। यूनानी सभ्यता से न्याय की देवी यूरोप और अमेरिका पहुंची। इसे भारत ब्रिटेन के एक अफसर लेकर आए थे। इसे 17वीं सदी में एक अंग्रेज न्यायालय अधिकारी भारत लाया था। ब्रिटिश काल में 18वीं शताब्दी के दौरान न्याय की देवी की मूर्ति का सार्वजनिक इस्तेमाल किया जाने लगा। भारत की आजादी के बाद न्याय की देवी को उसके प्रतीकों के साथ भारतीय लोकतंत्र में स्वीकार किया गया।

अगर देखा जाए तो न्याय की मूर्ति में ये बदलाव के पीछे जो सोच है, वह सकारात्मक कही जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने देश को संदेश दिया है कि अब कानून अंधा नहीं है। मुख्य न्यायाधीश माननीय चंद्रचूड़ का मानना है कि अंग्रेजी विरासत से अब आगे निकलना चाहिए। वो सबको समान रूप से देखता है। इसलिए न्याय की देवी का स्वरूप बदला जाना चाहिए। यह कानून को सर्वद्रष्टा बताने की कोशिश है। मगर जरूरी है कि देश की सिर्फ न्याय की देवी की मूर्ति में बदलाव नहीं हो, बल्कि देश की न्यायायिक प्रक्रिया में भी बदलाव हो। मौजूदा परिस्थितियों में किसी मामले में न्याय पाने के लिए थाना पुलिस और कोर्ट कचहरी का चकर लगाते लगाते जिंदगी तबाह हो जाती है। न्याय की देवी की मूर्ति में परिवर्तन सही है, लेकिन सबसे बड़ी जरूरत है कि देश की सड गल रही न्यायिक प्रक्रिया में आमूल-चूल परिवर्तन हो, करोड़ों लंबित मुकदमों का निबटान हो लोगों को समयबद्ध न्याय सुलभ कराने की व्यवस्था की जाओ ताकि लोगों को सही समय पर सुलभ तरीके से नयाय मिल सकें, तभी न्याय की मूर्ति में बदलाव के मायने सार्थक होंगे वरना इस तरह का बदलाव महज छलावा और आम आदमी को बहाने के अतिरिक्त कुछ भी नहीं है देश की अदालतों में लंबित पांच करोड़ मुकदमे न्याय व्यवस्था की हकीकत बयान करते हैं तीस हाइकोर्ट में 169000 मुकदमे तो तीस साल पुराने हैं ऐसी न्याय व्यवस्था में मूर्ति बदल कर बदलाव आने की कल्पना महज मूर्खता ही कही जा सकती है और संविधान की प्रति का भी मखौल है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

देश को सांप्रदायिकता की आग में झोंकते कुंठाग्रस्त लोगों के विमर्श

तनवीर जाफरी

भारतीय मीडिया विशेषकर इलेक्ट्रानिक मीडिया इन दिनों जितने निम्नस्तर पर जाकर अपने दर्शकों को उकसा और वरगला कर उनमें धार्मिक उन्माद व नफरत पैदा कर रहा है वैसा पहले कभी नहीं देखा गया। ऐसा लगता है कि पिछले दस वर्षों से मीडिया को देश में नफरत फैलाने और साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण करने की खुली छूट मिली हुई है। झूठी खबरें प्रसारित करना,टी वी एंकर्स द्वारा झूठे ट्वीट करना फिर अपने उसी ट्वीट को डिलीट कर देना,अपनी विचारधारा से मेल न खाने वाले टी वी वार्ता के पैनल्स के सदस्यों को अपमानित करना,उनके साथ गली गलोच करना और यदि वह मुसलमान है तो उसे सीधे तौर पर मुल्ले, कटुवे या आतंकवादी, पाकिस्तानी, जिहादी आदि कुछ भी कहकर संबोधित करना बिल्कुल आम बात होती जा रही है। नफरती संस्कारों में परवरिश पाने वाले यह लोग अपने अपनी उम्र व अपनी पारिवारिक पृष्ठभूमि देखे बिना कभी किसी उच्चाधिकारी को अपमानित कर बैठते हैं तो कभी भारत के मुख्य न्यायाधीश तक के प्रति ऐसे अपशब्द अपने मुंह से निकालते हैं जिनकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के बहराइच में महराजगंज क्षेत्र में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान साम्प्रदायिक हिंसा भड़क उठी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्गा प्रतिमा विसर्जन में शामिल सैकड़ों लोग मुस्लिम बाहुल्य इलाके से डी जे पर तेज आवाज में कुछ आपत्तिजनक गाने बजाते हुये गुजर रहे थे। हालांकि उत्तर प्रदेश सरकार ने जुलूसों में डी जे के प्रयोग पर पाबन्दी लगा रखी है। उसके बावजूद डी जे पर तेज आवाज में धर्म विशेष को अपमानित करने वाले गाने बजाये जा रहे थे। खबर है कि मुसलमानों की तरफ से कुछ लोगों ने डी जे बंद करवाने के लिये कहा परन्तु भीड़ ने डी जे तो बंद नहीं किया परन्तु उग्र जरूर हो गयी। इसके बाद मुसलमानों के घरों को निशाना बनाते हुये तोड़फोड़ व आगजनी शुरू होगयी। इसी बीच राम गोपाल मिश्रा नामक एक गरीब नव विवाहित युवक जो भंडारों में लंगर बनाने का काम करता है वह आवेश में एक मुस्लिम व्यक्ति के घर की छत पर चढ़ गया। उसने छत पर इस्लामी प्रतीक के रूप में लगे झंडे को गिराने की कोशिश की जिससे झंडे के साथ ही छत की रेलिंग भी टूट गई। इसके बाद आक्रोशित

BAHRAICH POLICE
@bahraichpolice
Follow

बहराइच पुलिस
अपील

दिनाँक 13.10.2024 को कस्बा महराजगंज थाना हरदी जनपद बहराइच में घटित घटना में एक हिन्दू व्यक्ति की हत्या के सम्बन्ध में सोशल मीडिया में साम्प्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने के उद्देश्य से भ्रामक सूचना जैसे मृतक को करंट लगाना, तलवार से मारना एवं नाखून उखाड़ना आदि बातें फैलाई जा रही हैं जिसमें कोई सच्चाई नहीं है। पोस्टमॉर्टम में मृत्यु का कारण गोली लगने से होना पाया गया है। इस घटना में एक व्यक्ति के अतिरिक्त अन्य किसी की मृत्यु नही हुई है। अतः सभी से अनुरोध है कि साम्प्रदायिक सौहार्द को बनाये रखने के लिए अफवाहों पर ध्यान न दें व भ्रामक सूचनाओं को प्रसारित न करें।

- सोशल मीडिया सेल, जनपद बहराइच

मुसलमानों की तरफ से गोलीबारी हुई जिसमें राम गोपाल मिश्रा की गोलियां लगने से मौत हो गयी। डी जे पर तेज आवाज में आपत्तिजनक गाने बजना, राम गोपाल मिश्रा का आवेश में आकर किसी मुस्लिम व्यक्ति के घर की छत पर चढ़ना, इस्लामी प्रतीक झंडे को गिराना,हिंसा के लिये भीड़ को उकसाना आदि सब कुछ गैर कानूनी तो जरूर है,परन्तु इनका जवाब गोलीबारी करना या किसी की हत्या कर देना हरगिज नहीं। यह हत्या भी उतनी ही निंदनीय है जितना कि भीड़ द्वारा धर्म विशेष के लोगों को हिंसा के लिये उकसाया जाना। परन्तु बहराइच की इस हिंसा के बाद जो नफरत पूर्ण भूमिका टी वी चैनल्स व इन के नफरती ऐंकर्स यहाँ तक कि इस विषय पर आयोजित परिचर्चा में भाग लेने वाले पक्षपाती पैनल्स द्वारा अदा की गयी उसे देखकर साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि स्वयं को मुख्य धारा का मीडिया बताने वाला यह नेटवर्क दरअसल देश में अमन शांति व सद्भाव का पैरोकार नहीं बल्कि देश को नफरत व हिंसा की आग में झोंकने के लिये दिन रात एक किये हुए है। सबसे बड़ा नफरती खेल इस गैर जिम्मेदार मीडिया व सोशल मीडिया द्वारा राम गोपाल मिश्रा की मौत के बाद आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट को लेकर खेला गया जिससे कि जलती आग में और घी डाला जा सके और दंगों को पूरे प्रदेश व देश में फैलाया जा सके। विस्तृत पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बताया गया है कि राम गोपाल के शरीर में कई छर्रे लगे जिससे अत्यधिक रक्तस्राव हुआ जिसके चलते उसकी मृत्यु हो गयी। परन्तु मीडिया चीखता चिल्लाता रहा कि मृतक राम गोपाल पर तलवारों से हमला किया गया,उसके नाखून खींचे गये,उसे करंट लगाया गया उसकी लाश के साथ बर्बरता की गयी,आदि। जाहिर है उत्तेजना पूर्ण माहौल में इसतरह की अफवाह भरी खबरें जलती आग में घी डालने का ही काम करेंगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद नफरती व्यवसाय में लगे कई पत्रकार सी एम ओ व पोस्टमार्टम करने वाले अन्य डॉक्टर्स से भी मिले तथा उनके मुंह से यह कहलवाने की कोशिश की कि क्या पैरों के नाखून खींचे गये ? क्या मृतक शरीर के साथ बर्बरता की गई ? परन्तु कोई भी डॉक्टर इन नफरती रिपोर्टर्स के झांसे में नहीं आया। और सब ने एक ही बात कही कि मृतक के शरीर में कई छर्रे लगे जिससे अत्यधिक रक्तस्राव हुआ जिसके चलते उसकी मृत्यु हो गयी। आखिरकार इन अफवाहों के बाद बहराइच पुलिस को स्वयं सामने आना पड़ा और पोस्टमार्टम रिपोर्ट की सच्चाई को अपने एक्स हैंडल से जारी करते हुये अफवाहों से दूर रहने व भ्रामक सूचनाओं को प्रसारित न करने की अपील करनी पड़ी। एक टीवी चैनल पर इसी विषय पर आधारित एक परिचर्चा में उत्तर प्रदेश के पूर्व ए डी जी पी विभूति नारायण राय जब अपने जीवन के लगभग चार दशक के आई पी एस के रूप में अपनी सेवा के अनुभव के अनुसार अपनी बात कह रहे थे उसी समय भाजपा का एक प्रवक्ता साफ तौर पर यह कहता सुनाई दिया कि मैं धर्मनिरपेक्ष नहीं हूँ बल्कि मैं केवल हिन्दू हूँ। उसके बाद उसने विभूति नारायण राय के प्रति भी अपशब्दों का इस्तेमाल किया जबकि वह प्रवक्ता शायद उम्र के मामले में राय साहब की उम्र से आधा भी नहीं होगा। स्वयं को सुप्रीम कोर्ट का वकील बताने वाला परिचर्चा का वही प्रतिभागी एक मुस्लिम राजनैतिक विश्लेषक को सरेआम मुल्ले, आतंकवादी कहकर व गंदी गालियां देकर बुला रहा था। अफवाह, साम्प्रदायिक तनाव व सनसनी फैलाने की गोया इन एंकर्स व प्रवक्ताओं को पूरी ट्रेनिंग हासिल है। वैसे भी कई राजनैतिक विश्लेषकों का मत है कि चूंकि उत्तर प्रदेश में अगले कुछ दिनों में 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने जा रहे हैं इसीलिये साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण के लिये ही कुंठाग्रस्त लोग अपने कटु विमर्श के द्वारा देश की फिजा खराब करने में जुटे हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

उप चुनाव में प्रत्याशी चयन को लेकर कांग्रेस कोऑर्डिनेशन समिति की बैठक आज

चमकता राजस्थान। जयपुर। प्रदेश में सात विधानसभा क्षेत्रों में होने वाले उप चुनाव की तैयारी के लिए सोमवार 21 अक्टूबर, को दोपहर 12:00 बजे प्रदेश कांग्रेस वार रूम पर प्रदेश कोऑर्डिनेशन समिति की बैठक आयोजित की गई है। अखिल भारतीय कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा की अध्यक्षता में आयोजित प्रदेश कोऑर्डिनेशन समिति की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, अखिल भारतीय कांग्रेस के महासचिव सचिन पायलट, भंवर जितेंद्र सिंह, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी तथा अखिल भारतीय कांग्रेस के सचिव व राजस्थान सहप्रभारी चिरंजी राव, रित्विक मकवाना, पूनम पासवान शामिल रहेंगे। बैठक में 13 नवम्बर, 2024 को प्रदेश में होने वाले विधानसभा उप चुनावों की तैयारी को लेकर महत्वपूर्ण रणनीति तैयार की जाएगी तथा चुनावों में कांग्रेस की विजय सुनिश्चित करने हेतु आवशयक कदम उठाए जायेंगे।

जिला कलेक्टर ने किया एनएच- 11 बी पर पुलिया का निरीक्षण

चमकता राजस्थान। धौलपुर (रामदास तरुण)। धौलपुर, 20 अक्टूबर 24 को जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी ने राष्ट्रीय राजमार्ग 11 बी पर उर्मिला सागर के पास स्थित निर्माणाधीन पुलिया के कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिया कार्य को गुणवत्तापूर्वक ढंग से एवं त्वरित गति से पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये, जिससे की मार्ग पर सुचारू परिवहन हो सके। ज्ञात हो कि जिले में 11 सितम्बर के दौरान हुई अत्यधिक वर्षा के कारण उर्मिला सागर पर भराव क्षमता को पार कर जाने के पश्चात सुरक्षा की दृष्टि से मार्ग को काटकर ओवरफ्लो जल निकासी की व्यवस्था की गई थी। मार्ग पर वर्तमान में पुलिया निर्माण कार्य प्रगतिरत है।

वैर में करवा चौथ पर महिलाओं ने सुनी कथा

- **पति की लंबी उम्र के लिए रखा व्रत बाजार में जमकर की खरीदारी**

चमकता राजस्थान। वैर (राजवीर सिंह)। पारंपरिक परिधानों में सजी, आभूषणों से सुसज्जित और हाथों में मेहंदी रचाए महिलाओं ने बीते कल करवा चौथ का त्यौहार धूमधाम से मनाया और अपने पतियों की लंबी आयु की कामना करते हुए दिन भर का उपवास रखा। इस दौरान सुहागन महिलाओं ने चौथ माता की कथा सुनकर शुभ मुहूर्त में चांद का दीदार कर व्रत खोला। साथ ही अपने पति की दीर्घायु के लिए मंगल कामना की।

शादी के बाद पहली बार करवा चौथ का पर्व मना रही महिलाओं में खासा उत्साह देखा गया। ऐसे में नव विवाहिताओं की रविबार को ब्यूटी पार्लर में भीड़ देखी गई। पार्लर संचालिका ने बताया कि, करवा चौथ को देखते हुए करीब 1 हफ्ते पहले से ही बुकिंग कराना शुरू कर दिया था। ऐसे में जिन महिलाओं ने पहले बुकिंग कराई है, उन्हें पहले प्राथमिकता दी गई।
वहीं पतियों ने भी अपनी पत्नियों को गिफ्ट दिए। करवा चौथ के पर्व को लेकर इस बार बाजार में महिलाओं ने जमकर खरीददारी की। बाजार में दुकानदारों ने अपनी दुकानों पर कई तरह का शृंगार का सामान सजाया। इस मौके पर रेखा कुमारी, सरोज देवी आंगन कार्यकर्ता, मीना हरवीर,अनीता,इंद्रा देवी, पूजा, जलदेई,रचना, सपना उमेश, श्रीमती, विमलेश, संगीता, दयावती, ऊषा, संगीता ओमी, गुड्डी, वीरवती, सपना चौधरी, आदि मौजूद थी।

नदबई कस्बे में मच्छरों से हैं परेशान कस्बावासी

- **कस्बे के किसी भी वार्ड में अभी तक नहीं हुई है फॉगिंग**
- **पालिका अध्यक्ष का है कहना जल्द ही कराई जाऐगी कस्बे को हर वार्ड में फॉगिंग**

चमकता राजस्थान। नदबई (राजवीर सिंह)। आप यदि नगर पालिका क्षेत्र में रहते हैं और मच्छरों से परेशान हैं तो स्वयं ही व्यवस्था कर लें। क्योंकि पालिका प्रशासन फॉगिंग कराने में असमर्थ नजर आ रहा है। मौसम में हो रहे बदलाव की वजह से शहर में मच्छरों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी है। शाम के समय बाहर खड़ा होना भी मुश्किल हो गया है। अगर कोई दो मिनट भी बाहर खड़ा हो जाए तो मच्छर डंक मारकर परेशान कर डाल रहे हैं। शहर में फॉगिंग नहीं कराए जाने से लोगों की परेशानी बढ़ गयी है। मच्छरों का प्रकोप बढ़ने के कारण लोगों के लिए घरों में चैन से रहना मुश्किल हो गया है। नगर पालिका में फॉगिंग मशीन होने के बावजूद पालिका प्रशासन को गली- मोहल्ले में फॉगिंग कराने की आवशयकता महसूस नहीं हो रही।
पिछले कई दिनों से मौसमी बुखार ने अपने पैर पसारे हुए हैं। अस्पताल की ओपीडी सहित वार्डों में वायरल एवं मच्छर जनित बुखार के मरीजों की भरमार है। शहर के लोगों द्वारा नगरपालिका एवं स्वास्थ्य विभाग से मच्छर जनित बीमारियों से निजात दिलाने के लिए दवा छिडकाव एवं फोगिंग की मांग की जा रही थी। लेकिन पालिका प्रशासन का इस ओर कोई ध्यान नहीं है।पालिका अध्यक्ष हरवती सिनसिनवार का कहना है कि, जल्दी फॉगिंग का काम शुरू कराया जाएगा।

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024

जिला कलक्टर की मौजूदगी में एक हजार करोड़ के निवेश करारों पर बनी सहमति

बगरू औद्योगिक क्षेत्र के उद्योगपतियों एवं निवेशकों से किया संवाद

चमकता राजस्थान

3 हजार से ज्यादा रोजगार के अवसर होंगे सृजित

जयपुर! (खलील कुरैशी) 20 अक्टूबर। राइजिंग राजस्थान में जयपुर जिला अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभएगा। जयपुर, जयपुर ग्रामीण एवं दूदू जिलों की जिला स्तरीय इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन 8 नवंबर 2024 को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में किया जाएगा। मीट के सफल आयोजन के लिए संपूर्ण जिले के उद्यमियों से संपर्क किया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने बगरू विस्तार औद्योगिक संगठन के भवन में उद्योगपतियों एवं निवेशकों से संवाद किया।इस दौरान जिला कलक्टर की मौजूदगी में एक हजार करोड़ रुपये के निवेश करार पर सहमति बनी। जिससे जिले में करीब 3 हजार रोजगार के अवसर सृजित होंगे। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए कहा कि राइजिंग राजस्थान निवेश एवं प्रदेश में औद्योगिक विकास की दृष्टि से मील का पत्थर साबित होगा। जिला प्रशासन द्वारा जिले में निवेश के अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने उद्योग जगत से जुड़े विभिन्न मुददों पर ध्यान देते हुए जिले में नए उद्योगों को स्थापित करने, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने और उ़द्योगों के लिए अनुकूल वातावरण बनाने की प्रतिबद्धता जताई।बैठक में बगरू इंडस्ट्रियल एसोसिएशन एवं लघु उद्योग भारती के पदाधिकारियों एवं अजमेर रोड स्थित महंद्रा सेज, सांवरदा, मोखमपुरा से दूदू क्षेत्र के सभी औद्योगिक क्षेत्रों के उद्यमियों एवं औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों द्वारा भाग लिया गया।रीको इकाई कार्यालय जयपुर (ग्रामीण) के प्रभारी श्री आर. के. सिंह रुहेला ने इकाई के अधीन विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों से आये आगंतुकों को राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में तथा रीको द्वारा विकसित किये जा रहे नवीन औद्योगिक क्षेत्रों जैसे श्री राम जानकी कुञ्ज बिहारी नगर एवं बिचून की प्रगति से अवगत कराया। वर्तमान में इकाई कार्यालय के क्षेत्राधिकार में लगभग 1837 इकाइयां उत्पादनरत हैं।बगरू इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष राज कुमार अग्रवाल, महासचिव सुधीर जाजू, वरिष्ठ उद्यमी एस के जैन, सुशील गोयल राजेश शेखावटिया, विश्वनाथ पोद्दार, सुनील खंडेलवाल, बसंत कुमार लढा,भेरू राम डागर आदि उद्यमीगण बैठक में उपस्थित रहे।उपस्थित उद्योगपतियों द्वारा राज्य सरकार की भावना अनुरूप नवीन इकाइयों की स्थापना, वर्तमान इकाइयों के उन्नयन एवं विस्तार में निवेश कर लगभग 3000 व्यक्तियों हेतु रोज़गार सृजन प्रस्तावित कर राशि रूपये 1000 करोड़ से अधिक के एमओयू किये जाने की सहमति प्रदान की।

सुनीपुर के पास हुई सड़क दुर्घटना में जिला कलक्टर की संवेदनशीलता से मृतक आश्रितों एवं घायल को तत्काल सहायता राशि स्वीकृत

चमकता राजस्थान

धौलपुर (रामदास तरुण)। धौलपुर, 20 अक्टूबर 24 को जिले में एनएच 11 बी पर ग्राम सुनीपुर तहसील बाडी पर घटित सड़क दुर्घटना में मृतक एवं घायलों को मुख्यमंत्री सहायता कोष से जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने तत्काल सहायता राशि स्वीकृत कराई गई, उन्होंने बताया कि सुनीपुर के पास टैंपू एवं बस की टक्कर में एनएच बी पर टैंपू में सवार 13 में से 12 लोगों की मृत्यु एवं 1 बच्चा गंभीर घायल होने पर तत्काल हायर सेंटर रैफर किया गया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री आयुष्मान दुर्घटना बीमा योजना की पात्रता नहीं रखने वाले मृतकों के आश्रितों को मुख्यमंत्री सहायता कोष शिथिलता प्रदान कर प्रत्येक को 2-2 लाख रुपये एवं घायल को 50 हजार की सहायता राशि स्वीकृत की गई है।मुख्यमंत्री आयुष्मान दुर्घटना बीमा योजना के तहत खाद्य सुरक्षा योजना की पात्रता रखने वाले के परिवार को 10-10 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रत्येक मृतक के परिजन को 2 लाख रूपये एवं घायल को 50 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान किये जाने की घोषणा की गई है। उन्होंने बताया कि मृतक इरफान, जूली, आसमा, सलमान, साकिर, अजान सहित प्रत्येक के आश्रित को 2-2 लाख एवं घायल साजिद को 50 हजार रुपये की राशि मुख्यमंत्री सहायता कोष से स्वीकृत की गई है। वहीं मृतक परवीन एवं हारिस की आश्रित हलीमा को 10 लाख रुपये एवं मृतक जरीना, आसियाना, सूफी, सानिफ के आश्रित नूरन को मुख्यमंत्री आयुष्मान बीमा योजना के तहत 10 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। गौरतलब है कि जिला कलेक्टर ने मामले में संवेदनशीलता दिखाते हुए शीघ्रता से राहत प्रस्ताव राज्य सरकार को भिजवा कर सहायता राशि त्वरित स्वीकृत करवाई। इससे पूर्वक जिला कलक्टर घटना स्थल पर पहुंचे एवं बाड़ी सामान्य चिकित्सालय में जाकर मृतकां के पोस्टमार्टम के बारे में जानकारी ली।

शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान दूध और मावे के लिए नमूने

चमकता राजस्थान। धौलपुर(रामदास तरुण)। धौलपुर, 20 अक्टूबर 24 को दीपावली पर आमजन को शुद्ध खाद्य सामग्री मिले सके, प्रदेश भर में लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगातार निगरानी रखी जा रही है। जिससे खाद्य सामग्री विक्रेता मिलावटी सामग्री नहीं बेच सकें। शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा खाद्य पदार्थों के नमूने भी लिए जा रहे हैं। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा आयुक्त और जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयंती लाल मीणा द्वारा गठित टीम ने धौलपुर स्थित विष्णु डेयरी से दूध के 4 नमूने, स्टेशन रोड स्थित जनक सिंह डेयरी से मावे का एक नमूना लिया गया। लिए गए नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी पदम सिंह परमार ने बताया की जांच रिपोर्ट में मिलावट पाएं जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 को तहत कठोर कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने बताया की दीपावली के त्यौहार तक लगातार मिलावट के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

प्रख्यात वायलिन वादक मैसूर मंजूनाथ बने संस्कार भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष

चमकता राजस्थान

जयपुर। विश्व प्रसिद्ध वायलिन वादक संगीतज्ञ प्रोफेसर डॉ मैसूर मंजूनाथ तीन वर्ष के लिए सर्वसम्मति से निर्विरोध संस्कार भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं।
निर्वाचित अध्यक्ष ने ऑनलाइन घोषणा की कि प्रसिद्ध अभिनेता. निर्देशक श्री नीतीश भारद्वाज, मुंबई, कला विशेषज्ञ श्रीमती हेमलता एस मोहन; रांची, वरिष्ठ संस्कृति कर्मी डॉ रवींद्र भारती, जयपुर, संस्कार भारती के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष होंगे। प्रसिद्ध सुरबहार वादक डॉ अश्विन दलवी, जयपुर, अखिल भारतीय महामंत्री होंगे।
श्री अभिजीत गोखले, दिल्ली, अखिल भारतीय संगठन मंत्री अखिल भारतीय मंत्री श्री रवि बेडेकर , नासिक, श्रीमती निलाँजना रॉय ;कोलकाता, श्री अनुपम भटनागर, दिल्ली, श्री आशुतोष अडोनी; नागपुर और श्री संजय चौधरी, श्री सुभाष चंद्र अग्रवाल, आगरा, कोषाध्यक्ष और श्री श्रीपाद जोशी उज्जैन, सह कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं।
संस्कार भारती कला जगत का संगठन है। भारतीय कला जगत का संचालन भारतीय कला दृष्टि के आधार पर हो, इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए ऐसी बैठकों में योजना कार्यक्रम उपक्रम प्रकल्प इत्यादि नियोजित किए जाते हैं और आयोजित भी।
विचार आधारित प्रस्तुतियां हो इस दृष्टि से कला, शिक्षा, अध्ययन, समीक्षा, श्रोता, संस्थाएं सृजन, नीति निर्धारण इत्यादि में संस्कार भारती कार्य आगे बढ़ाने का विचार हुआ है। जिसमें देश के

कलाकारों सहित कला जगत के अन्य घटकों में कार्य का विस्तार करने और विभिन्न कला विधाओं के चर्चा केंद्र, कला सर्कल आदि उपक्रम विशेषतः नगरों में शुरू किए जाने का निर्णय हुआ है।
सामाजिक समरसता विषय पर फरवरी में बेंगलुरु में हुए अखिल भारतीय कला साधक संगम की उपलब्धियां की समीक्षा की गई है उसके साथ ही इस वर्ष का भरतमुनि सम्मान दो कला विभागों. एक मंचीय कला और दूसरे साहित्य ;भारतीय भाषाओं में प्रदान करने का निर्णय हुआ है। जिसमें प्रत्येक को 1,51,000 रुपए की राशि, एक प्रतीक चिह्न और प्रशस्ति पत्र देकर दिल्ली में सम्मानित किया जाएगा।
गत सितंबर माह में चेन्नई के आईआईटी परिसर में तीन दिन की अखिल भारतीय रंगोली की कार्यशाला जिसमें देश के 20 राज्यों से 934 प्रतिभागियों ने भाग लिया था उनमें 57 प्रतिभागी आईआईटी संस्थान के ही थे, की समीक्षा की गयी। ऐसे आयोजन निरंतर किए जाएंगे।
भारत की कला और संस्कृति के चिह्न विश्व में अनेक देशों में दिखाई पड़ते हैं। यूरोप के स्लाविक और बाल्टिक देशों के प्रकृति पूजक मूल समुदाय आज भी भारतीय संस्कृति से निकटता अनुभव करते हैं। सांस्कृतिक आदान.प्रदान के उद्देश्य से पोलैंड के एक सांस्कृतिक दुनायोवी को भारत में निमंत्रित किया गया था। उसे दल के सदस्यों की रुचि अपनी वंशावली लेखन की ओर होने के कारण हरिद्वार में उनके वंशावली लेखन का कार्य भी संपन्न कराया गया।
कश्मीर घाटी में कार्य का विस्तार करने की योजना में वहां की कला साधकों का सम्मान और कारगिल शोर्य यात्रा का आयोजन, जून माह में जम्मू विश्वविद्यालय में फिल्म आयाम के अंतर्गत संस्कार भारती जम्मू कश्मीर और युवा जम्मू कश्मीर द्वारा फिल्म डॉक्यूमेंट्री एवं लघु फिल्म का संकलन किया गया। ओपन माइक कार्यक्रमों के प्रचलन को देखते हुए युवा प्रतिभाकारों के इस वर्ष 180 कार्यक्रम द रूट्स ओपन माइक के नाम से आयोजित किए गए हैं।
संस्कार भारती की अखिल भारतीय साधारण सभा की दो दिवसीय इस बैठक में देश भर के प्रमुख कार्यकर्त्ता कलासाधक सदस्य, कुछ विशेष आमंत्रित गण आते हैं। इसमें गत वर्ष के कार्यकलापों, कार्यक्रमों का मूल्यांकन होता है साथ ही आगे की कुछ योजनाओं पर विचार विमर्श और निर्णय होते हैं।
इस बैठक में पूरे देश से लगभग 300 प्रतिनिधि कलासाधकों ने भाग लेकर विचार विमर्श में अपनी सहभागिता दी है।

मुख्यमंत्री ने जर्मनी एवं यूनाइटेड किंगडम में आयोजित इन्वेस्टर मीट में निवेशकों को किया आमंत्रित

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का विदेश यात्रा से लौटने पर जयपुर एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत

सरकार के मंत्रीमंडल और भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने पलक पांवड़े बिछाकर किया जोरदार उत्साह के साथ अभिनंदन

चमकता राजस्थान

जयपुर,(खलील कुरैशी) 20 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जर्मनी और यूनाइटेड किंगडम की विदेश यात्रा के बाद रविवार को जयपुर लौटे। शर्मा का जयपुर एयरपोर्ट परिसर में राज्य मंत्रिपरिषद् के सदस्यों एवं विधायकों सहित उच्च अधिकारियों ने स्वागत किया। मंत्रिगण और विधायकों ने मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर सफल विदेश यात्रा के लिए बधाई दी।इस दौरान जयपुर शहर के प्रमुख स्थानों पर आमजन ने शर्मा का अभिनंदन किया और प्रदेश की आर्थिक समृद्धि एवं विकसित राजस्थान की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री का आभार भी जताया।उल्लेखनीय है कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के तहत राज्य में निवेश को बढ़ावा देने के लिए अन्य देशों में इन्वेस्टर मीट और रोड-शो आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री शर्मा ने जर्मनी के म्यूनिख और यूनाइटेड किंगडम के लंदन में आयोजित इन्वेस्टर मीट में हिस्सा लिया और निवेशकों से मुलाकात कर उन्हें प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया।

ये गणमान्य नेतागण रहे मौजूद

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेम चन्द बैरवा, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, पशुपालन एवं डेयरी व देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा, नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार संजय शर्मा, ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, राजस्व राज्य मंत्री विजय सिंह, किसान आयोग अध्यक्ष सी.आर.चौधरी, राज्यसभा सांसद मदन राठौड़, सांसद मंजू शर्मा, सांसद राव राजेन्द्र सिंह सहित विभिन्न विधायकगण, जयपुर ग्रेटर मेयर सौम्या गुर्जर, जयपुर हेरिटेज मेयर कुसुम यादव, जिला प्रमुख जयपुर रमा चौपड़ा, मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक यू.आर. साहू एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

यूपी : गाजियाबाद में ट्रेन की चपेट में आने से ट्रैकमैन की मौत, रेलवे कर्मचारियों ने किया विरोध प्रदर्शन

गाजियाबाद/एजेंसी। यूपी के गाजियाबाद में एक ट्रैकमैन की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई है। इस घटना से गुस्साए रेलवे कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है और इस रूट पर ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई है।

क्या है पूरा मामला?

गाजियाबाद में एक ट्रैकमैन ट्रेन की चपेट में आ गया, जिसके बाद रेलवे कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। रेलवे कर्मचारियों ने यह आरोप लगाते हुए दोनों ट्रैक पर ट्रेनों की आवाजाही रोक दी कि लोको पायलट, ट्रैक पर सावधानी का पालन करने में विफल रहा है, जिसके कारण उन्होंने अपने सहकर्मी को खो दिया है।

हालांकि डीआरएम मौके पर पहुंचे हैं और रेल यातायात अब बहाल कर दिया गया है। हालांकि इस घटना से इस रूट में ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई है।

ट्रैकमैन की मौत के बाद रेलवे ट्रैक पर सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई और भारतीय रेलवे के प्रति लोग अपनी नाराजगी जाहिर करने लगे। ऐसे में फंसी हुई ट्रेनों के यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा। हालात ये हो गए कि दिल्ली आने वाली सभी ट्रेनों को गाजियाबाद में ही रोक दिया गया और गाजियाबाद रेवले स्टेशन पर जमकर बवाल हुआ। इस दौरान वंदे भारत और राजधानी एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों को भी ट्रैक पर खड़ा होना पड़ा और इंतजार करना पड़ा।

बता दें कि अक्तूबर महीने की शुरुआत में सीएम योगी आदित्यनाथ ने एडीजी स्तर के अधिकारियों संग विशेष बैठक की थी। इस दौरान हर इकाई के कार्यों की समीक्षा की गई थी। इसमें यह चर्चा भी हुई थी कि हालही के दिनों में रेलवे ट्रैक पर सिलेंडर, रॉड आदि चीजें मिली हैं। इसी तरह ट्रेनों पर पत्थर फेंके जाने की घटनाएं भी हुई हैं। यह चिंताजनक है। इसके लिए जीआरपी, आरपीएफ, रेलवे प्रशासन और सिविल पुलिस को मिलकर काम करने की आवश्यकता है। लोकल इंटेलिजेंस को और मजबूत किया जाना चाहिए।

आंध्र प्रदेश : प्रेमी ने नाबालिग प्रेमिका को आग के हवाले किया, अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

अमरावती/एजेंसी। आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले में प्रेमी ने एक छात्रा को आग के हवाले कर दिया। 16 वर्षीय लड×की की रविवार को अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

मृतक लड×की कक्षा 11 की छात्रा थी। उसकी कडप्पा के राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस) में इलाज के दौरान मौत हो गई। लड×की ने मरने से पहले दिए अपने बयान में कहा था कि शादी करने के लिए कहने पर विग्नेश ने उसे आग लगा दी थी। यह घटना बडवेल कस्बे के पास हुई। आरोपी विग्नेश और पीड़िता बचपन से दोस्त थे।

पुलिस के अनुसार, आरोपी ने हाल ही में दूसरी लड×की से शादी की थी, लेकिन वह पीड़िता के साथ संबंध बनाए रखना चाहता था। आरोपी ने पीड़िता को फोन किया और उससे मिलने चाहा। उसने पीड़िता से कहा कि अगर वह उससे नहीं मिली, तो वह अपनी जान ले लेगा। पीड़िता मिलने के लिए तैयार हो गई और अपने कॉलेज से ऑटो रिक्शा में बैठ गई। कुछ दूर जाने के बाद विग्नेश भी उसके साथ हो लिया।

वह दोनों बडवेल से लगभग 10 किलोमीटर दूर सेंचुरी प्लाईवुड फैक्ट्री के पास पहुंचे। दोनों के बीच क्या बात हुई यह पता नहीं चल सका है, लेकिन कुछ देर बाद आरोपी ने लड×की पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। उसकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे किसान उसे बचाने के लिए दौड़े और आग बुझाई, तब तक आरोपी वहां से फरार हो गया था। स्थानीय लोगों ने तत्काल घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने पीड़िता को इलाज के लिए बडवेल के एक अस्पताल में भर्ती कराया। बाद में उसे कडप्पा में राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया।

पीड़िता 80 प्रतिशत जल गई थी। रविवार सुबह अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जिला जज ने राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान में उसका बयान दर्ज किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी को शनिवार रात गिरफ्तार कर लिया गया।

स्वास्थ्यकर्मी तम्बाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों एवं जनहानि के प्रति आमजन को कर रहे जागरूक

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी)। जिले में चिकित्सा विभाग की ओर से ₹तम्बाकू फ्री यूथ कैम्पेन₹ 2.0 चलाया जा रहा है। कैम्पेन के 60 दिवसीय कार्ययोजना के विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत जिले में विभिन्न जागरुकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। जागरूकता गतिविधियों के अंतर्गत जिले में स्वास्थ्यकर्मी तम्बाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति आमजन को निरंतर जागरूक कर रहे हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर प्रथम डॉ. विजय सिंह फौजदार ने बताया कि कैम्पेन के तहत युवाओं को तम्बाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया जा रहा है। जिला, ब्लॉक व ग्रामपंचायत स्तर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर आमजन को तम्बाकू सेवन के खतरों के बारे में जागरूक किया जा रहा है। आगामी 23 नवम्बर तक आयोजित होने वाले इस कैम्पेन के तहत गाँवों में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, एएनएम और आशा सहयोगिनी रैली तथा अन्य जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से तम्बाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति आमजन को जागरूक कर रहे हैं। कोटपा अधिनियम के अंतर्गत निरंतर कार्यवाही की जा रही है। उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (स्वास्थ्य) जयपुर प्रथम डॉ. इंद्रा गुप्ता ने बताया कि कैम्पेन की 60 दिवसीय कार्य योजना के तहत जिला, ब्लॉक व ग्रामपंचायत स्तर पर शैक्षणिक संस्थानों को तम्बाकू मुक्त करने के लिए प्रतियोगिताओं के आयोजन सहित कई नवाचार किए जाएंगे। साथ ही जनप्रतिनिधियों के सहयोग से बैठकों में तम्बाकू मुक्त ग्राम पंचायत के प्रस्ताव तैयार किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त प्रत्येक पंचायत में रोल मॉडल बनाए जा रहे हैं, जोकि आमजन को तंबाकू उत्पादों का सेवन नही करने हेतु प्रेरित कर रहे हैं। अभियान के अंतर्गत शिक्षण संस्थाओं, चिकित्सा संस्थानों,आंगनबाड़ियों को तंबाकू मुक्त करना, तंबाकू उपभोगियों की पहचान कर परामर्श व उपचार उपलब्ध कराना, डोर टू डोर सर्वे, चालान कार्यवाही और कम्युनिटी मोबलाइजेशन आदि गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

चटाई नहीं मोड़ पा रही थी छात्रा, टीचर ने डंडे मारकर तोड़ दिया 10 वर्षीय बच्ची का हाथ

कोटा/एजेंसी।

राजस्थान के कोटा से एक बेहद शर्मनाक मामला सामने आया है। यहां एक सरकारी स्कूल के शिक्षक ने एक 10 वर्षीय छात्रा के हाथ को सिर्फ इसलिए तोड़ दिया क्योंकि वह चटाई ठीक से नहीं मोड़ पा रही थी। रामगंज मंडी के जुल्मी गांव में आयोजित जन शिकायत निवारण शिविर में एक बच्ची ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर से अपनी आपबीती सुनाई। बच्ची ने बताया कि उसके शिक्षक अब्दुल अजीज ने उसे चटाई बिछाने के लिए कहा था। जब वह चटाई ठीक से नहीं मोड़ पाई तो शिक्षक ने उसे डंडे से मारना शुरू कर दिया। इतनी पिटाई हुई कि बच्ची का हाथ टूट गया।

इस घटना के बाद शिक्षा विभाग ने तुरंत कार्रवाई करते हुए शिक्षक अब्दुल अजीज के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी है। साथ ही शिक्षा विभाग ने भी इस मामले की जांच शुरू कर दी है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने इस घटना पर गंभीर नाराजगी व्यक्त की है और उन्होंने अधिकारियों को दोषी शिक्षक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इस घटना ने समाज में रोष पैदा कर दिया है। लोग शिक्षक के इस कृत्य की निंदा कर रहे हैं और मांग कर रहे हैं कि दोषी शिक्षक को कड़ी सजा दी जाए।

मणिपुर : थौबल में हथियार और गोला-बारूद जब्त, जिरिबाम में ग्राम प्रधान के दो फार्म हाउस जलाए

मणिपुर /एजेंसी। मणिपुर में हिंसा कम करने के लिए प्रशासन लगातार कोशिश कर रहा है। हालांकि, अभी भी कई इलाकों में हिंसा के छुटपुट मामले सामने आ रहे हैं। सुरक्षा बलों ने थौ बल में तलाशी अभियान के दौरान हथियार और गोला बारूद जब्त किया। वहीं, जिरिबाम में उग्रवादियों ने ग्राम प्रधान के खाली पड़े दो फॉर्म हाउस में आग लगा दी। हालांकि, इस आगजनी में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, क्योंकि दोनों फॉर्म हाउस खाली थे। पुलिस ने रविवार को बताया कि थौबल जिले में तलाशी अभियान के दौरान हथियार और गोला-बारूद जब्त किया गया है। सुरक्षा बलों ने शनिवार को एसटीएनबीए गेट के पास आयरन हिल में तलाशी अभियान चलाया। तलाशी अभियान के दौरान एक नौ एमएम पिस्तौल, चार हथगोले, एक डेटोनेटर और 12 कारतूस बरामद किए गए, इसके अलावा चार खाली मैगजीन, छह खाली कारतूस और एक 'स्मोक ग्रेनेड' भी जब्त किया गया।

● ग्राम प्रधान के दो फार्म हाउस जलाए

जिरिबाम मणिपुर के अशांत इलाकों में शामिल है। इसी वजह से यहां से लगातार हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं। पुलिस ने रविवार को बताया कि जिरिबाम जिले में एक ग्राम प्रधान के दो खाली फार्म हाउस में उग्रवादियों ने आग लगा दी। पुलिस के अधिकारी ने बताया कि यह घटना बीती देर रात नुंगखल इलाके में हुई। हिलघाट ग्राम पंचायत के प्रधान एल सोमोरेंड्रो के फार्म हाउसों को संदिग्ध रूप से उग्रवादियों ने आग लगा दी। सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे और घटना की जांच शुरू की। बोरोबेकरा पुलिस थाने के पास शनिवार की सुबह एक गांव पर उग्रवादियों ने हमला किया था, जिसके बाद ही यह घटना सामने आई। हिंसा की यह घटना ऐसे समय में हुई जब कुछ दिनों पहले ही नई दिल्ली में मेइती और कुकी समुदायों के विधायकों के बीच जारी संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान निकालने के लिए बातचीत हुई थी।

● पुलिस का जोर हथियार बरामद करने पर

मणिपुर डीजीपी का कहना है कि हालात तभी सामान्य हो सकते हैं, जब आम लोगों के पास कम से कम हथियार होंगे। यहां पिछले कुछ महीनों में हुई हिंसा के दौरान जमकर हथियार लूटे गए थे। इसके बाद से सुरक्षा बल लूटे गए हथियारों को बरामद करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। मणिपुर के पुलिस महानिदेशक राजीव सिंह ने शनिवार को कहा कि पुलिस सुरक्षा बलों से लूटे गए हथियारों को बरामद करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही है। उन्होंने कहा कि 'समाज का शस्त्रीकरण' कम होने के बाद ही राज्य में हालात सामान्य हो सकते हैं। सिंह ने दावा किया कि प्रदेश में हालात पहले की तुलना में बेहतर हुए हैं। उन्होंने कहा, यह बहुत चुनौतीपूर्ण समय है और हालात बेहद जटिल हैं, लेकिन हम जनता, सुरक्षा एजेंसियों, सीएसओ और सभी समुदायों के नेताओं के सहयोग से पूरी ताकत के साथ इससे निपटने की कोशिश कर रहे हैं।

थानाधिकारी राजेंद्र यादव के कुशल नेतृत्व में पुलिस थाना मनोहरपुर को मिली बड़ी सफलता

शातिर एवं कुख्यात वाहन को किया गिरफ्तार, चोरी की 15 मोटरसाइकिल भी करी बरामद

चमकता राजस्थान

मनोहरपुर। (खलील कुरैशी)। जयपुर ग्रामीण के मनोहरपुर थाना पुलिस ने एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 15 मोटरसाईकिल भी बरामद की है। पुलिस ने बताया की 20 अगस्त 2024 को प्रहलाद राय पुत्र सुवालाल रैगर निवासी अरणिया थाना चन्दवाजी ने रिपोर्ट दी की मेरी मोटरसाईकिल टोल प्लाजा मनोहरपुर पर खड़ी करके कस्बे में काम करके वापस आया तो मोटरसाईकिल नहीं मिली। जिस पर पुलिस से मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

प्रकरण में आरोपी की गिरफ्तारी व मोटरसाइकिल बरामदगी हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) रजनीश पूनियां है। के निर्देशन व वृताधिकारी शाहपुरा मुकेश चौधरी के सुपरविजन तथा थानाधिकारी राजेन्द्र कुमार के नेतृत्व में टीम गठित कर आसूचना संकलन व तकनीकी सहायता द्वारा कार्यवाही कर वाहन चोर जौधूला उपला थाना विराटनगर जिला कोटपुतली बहरोड़ निवासी राकेश पुत्र फताराम गुर्जर को पुलिस थाना मनोहरपुर गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 15 मोटरसाईकिल बरामद की है। पुलिस आरोपी से अन्य वारदातो व साथियों के बारे में पुछताज कर रही

आधुनिक मास्टर चाबी लगाकर चुराता था मोटरसाईकिल

पुलिस ने बताया की वाहन चोर शाहपुरा, मनोहरपुर, चन्दवाजी, जयपुर शहर, चौमू, विराटनगर, पावटा से मास्टर चाबी लगाकर मोटरसाईकिल चोरी कर विराटनगर, थानागाजी व मैड इलाके में मोटरसाईकिल को छुपाकर बेचना व खुर्द-बुर्द करना स्वीकार किया है।

● पुलिस टीम के सदस्यों का विवरण

थानाधिकारी राजेन्द्र कुमार, एएसआई सत्यवीर सिंह, हैड कांस्टेबल लीलाधर, कांस्टेबल सुरज्ञान, दारा सिंह, नीरज, अशोक कुमार,अर्जुन लाल, पुलिस टीम के सदस्य रहे। विशेष भूमिका हैड कांस्टेबल लीलाधर, कांस्टेबल सुरज्ञान, दारा सिंह, नीरज की रही।

हरियाणा में भाजपा को जीत दिलाने के बाद महाराष्ट्र में सक्रिय हुआ आरएसएस

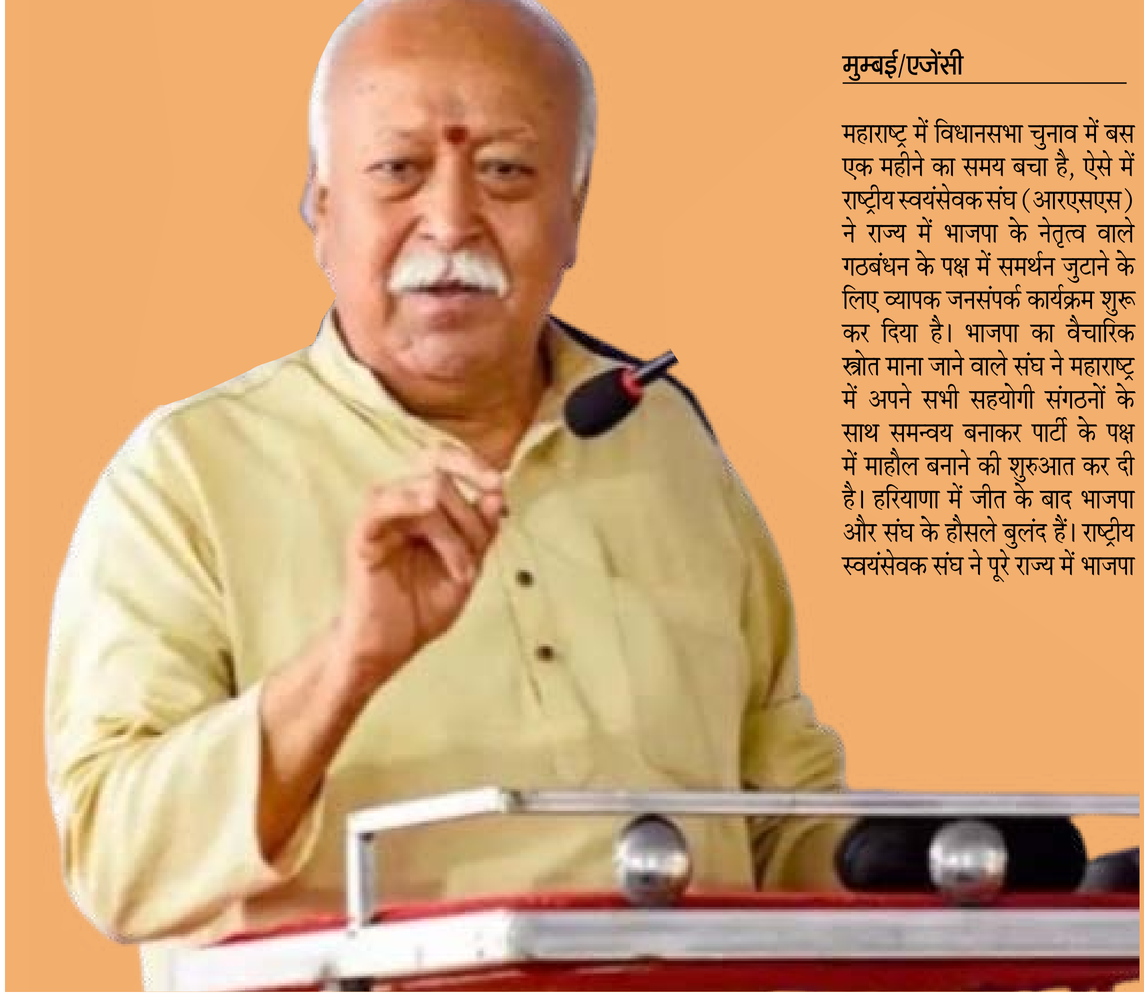

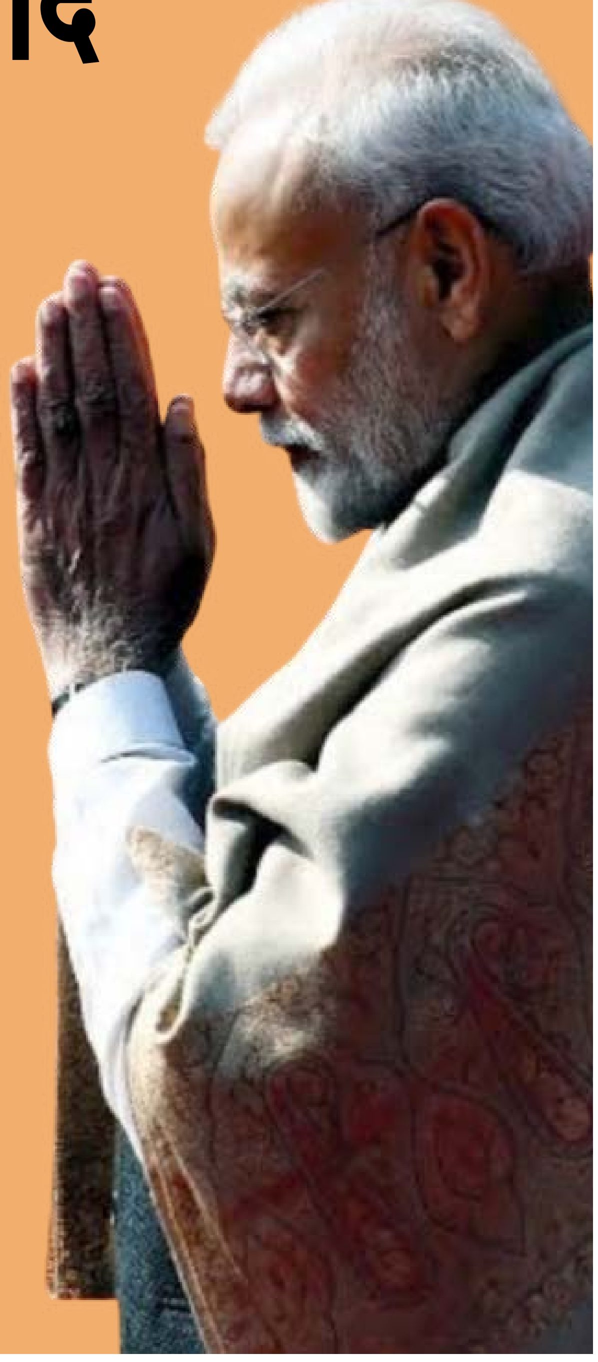

मुम्बई/एजेंसी

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव में बस एक महीने का समय बचा है, ऐसे में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन के पक्ष में समर्थन जुटाने के लिए व्यापक जनसंपर्क कार्यक्रम शुरू कर दिया है। भाजपा का वैचारिक स्त्रोत माना जाने वाले संघ ने महाराष्ट्र में अपने सभी सहयोगी संगठनों के साथ समन्वय बनाकर पार्टी के पक्ष में माहौल बनाने की शुरुआत कर दी है। हरियाणा में जीत के बाद भाजपा और संघ के हौसले बुलंद हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पूरे राज्य में भाजपा के पक्ष में माहौल तैयार करने के लिए टोलियां (टीमें) बनाई हैं। इन प्रत्येक टोलियों में 5-10 लोगों की टीम है, जो लोगों के छोटे-छोटे समूहों के साथ बैठक कर सरकार की नीतियों के बा-रे में बता रहे हैं। संघ की ये टोलियां अपने-अपने इलाकों के मोहल्लों और स्थानीय नेटवर्क के जरिए परिवारों तक पहुंच बना रही हैं। सूत्रों के अनुसार, ये टोलियां सीधे तौर पर भाजपा के लिए वोट अपील नहीं करते, बल्कि राष्ट्रीय मुद्दों, हिंदुत्व, सुशासन, लोक कल्याम और समाज के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए भाजपा सरकार के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश करती हैं। सूत्र ने बताया कि टोलियों के गठन से पहले, आरएसएस और उसके सहयोगी संगठनों के पदाधिकारियों की बैठकें हुईं, जिनमें चुनाव को लेक र रणनीति तैयार की गई। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि हाल ही में संपन्न हुए हरियाणा विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत में भी संघ की अहम भूमिका रही थी। संघ ने हरियाणा भर में अपने सहयोगियों के साथ समन्वय कर 'ड्राइंग रूम मीटिंग्स' की रणनीति बनाई और हर परिवार तक पहुंचने की कोशिश की। संघ की यह कोशिश रंग लगाई और हरियाणा में सत्ता विरोधी लहर के बावजूद भाजपा लगातार तीसरी बार सत्ता कब्जाने में कामयाब रही।

न्यूज अपडेट

कौन हैं नव्या हरिदास

जिसको बीजेपी ने वायनाड से प्रियंका गांधी के खिलाफ मैदान में उतारा

वायनाड/एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने केरल की वायनाड लोकसभा सीट से नाव्या हरिदास को चुनावी मैदान में उतारा है। वे प्रियंका गांधी के सामने चुनाव लड़ेंगी। नाव्या हरिदास एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं और पिछले दो कार्यकाल से कोझीकोड निगम के कराप्राम्प वार्ड से पार्षद हैं। वर्तमान में, नाव्या भाजपा महिला मोर्चा की राज्य महासचिव का पद संभाल रही हैं। यह

भूमिका उन्हें पार्टी में एक महत्वपूर्ण स्थान देती है। नाव्या हरिदास ने पहले भी कोझीकोड से विधानसभा चुनाव में हिस्सा लिया था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। यह उनके लिए एक नई चुनौती है, जहाँ वे वायनाड सीट पर अपनी पहचान बनाने का प्रयास करेंगी।

फैली सनसनी

कातिलों ने साथ बैठकर पी शराब, फिर युवक का सिर धड़ से कर दिया अलग

छतरपुर/एजेंसी। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में एक शख्स की सिर धड़ से अलग कर बेरहमी से हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि हत्यारों ने पहले शख्स के साथ जमकर शराब पी, फिर किसी बात पर विवाद होने पर उसके सिर पर किसी धारदार चीज हमला कर दिया। वार इतना जबरदस्त था कि युवक का सिर धड़ से अलग हो गया। मौके पर मृतक का सिर और धड़ अलग-अलग जगह पर पड़े थे, जबकि हर और सिर्फ खून ही खून दिखाई दे रहा था। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। बता दें कि जिले के अलीपुरा थाना इलाके के अंतर्गत आने वाले ग्राम बड़ागांव की बीती देर रात को ये सनसनीखेज हत्याकांड हुआ है। 54 वर्षीय विशाल सिंह नाम के शख्स की अज्ञात लोगों ने बेरहमी से हत्या की है। कातिलों ने धड़ से सिर को काटकर अलग कर दिया। मामले की जानकारी स्थानीय लोगों को रविवार की सुबह उस समय लगी, जब ग्रामीण उठकर अपने घरों से बाहर निकले। हत्या की जानकारी अलीपुरा पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरु कर दी है। बताया जाता है कि, विशाल सिंह ने मोहल्ले के रहने वाले कुछ अज्ञात लोगों के साथ रात में शराब पी रहा था। बाद में किसी बात पर उनके बीच विवाद हो गया, जिसके बाद हमलावरों ने विशाल की हत्या कर दी। हत्यारे कौन और कितने हैं, फिलहाल पुलिस इसकी जानकारी जुटाने में जुट गई है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस का दावा है कि, वो जल्द ही हत्यारों को गिरफ्तार कर इस सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा करेंगे। फिलहाल, मौक पर अलीपुरा थाना प्रभारी डीडी शाक्य और एसडीओपी नौगांव चंचलेश मरकाम जांच कर रहे हैं।

खौफनाक वारदात

त्रिशूल से दादी की हत्या कर खून शिवलिंग पर चढ़ाया

श्रावणी/एजेंसी

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में एक खौफनाफ वारदात सामने आया है। एक आदमी ने त्रिशूल से अपनी दादी की हत्या कर उनका खून शिवलिंग चढ़ाया। उसके बाद खुद भी आत्महत्या करने की कोशिश की। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस इसे 'मानव बलि' का संदिग्ध मामला बता रही है।पुलिस ने रविवार को बताया कि छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में 'मानव बलि' का एक संदिग्ध मामला सामने आया है। एक व्यक्ति

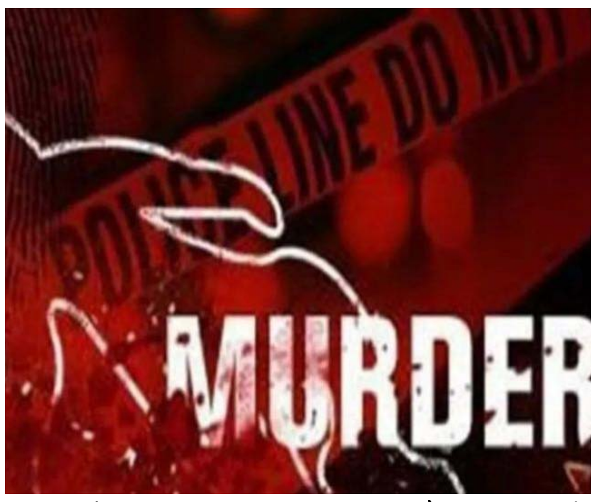

ने कथित तौर पर अपनी दादी की हत्या कर दी और आत्महत्या करने

फिर किया सुसाइड की कोशिश

की कोशिश करने से पहले उनका खून 'शिवलिंग' पर चढ़ाया। धमधा क्षेत्र के एसडीपीओ संजय पुंढीर ने कहा कि यह घटना अंधविश्वास का परिणाम लग रही है। शनिवार शाम को नंदिनी पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत ननकट्टी गांव में यह घटना हुई। स्थानीय लोगों द्वारा घटना के बारे में सूचना देने के बाद पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। टीम ने महिला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। उसकी पहचान 70 साल की रुक्मणी गोस्वामी के रूप में हुई है। अधिकारी ने बताया कि आरोपी 30 साल के गुलशन गोस्वामी को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, गुलशन अपनी दादी के साथ भगवान शिव के मंदिर के पास एक कमरे में रहता था। वह रोजाना मंदिर में अनुष्ठान करता था। अधिकारी ने बताया कि शनिवार शाम को उसने कथित तौर पर अपनी दादी की उनके घर में त्रिशूल से हत्या कर दी। उसके बाद उनका खून मंदिर में 'शिवलिंग' पर चढ़ा दिया। इसके बाद वह घर लौटा और उसी त्रिशूल से अपनी गर्दन पर हमला कर लिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे रायपुर के एम्स में भर्ती कराया गया है। पुंढीर ने कहा कि प्रथम हष्टया यह घटना अंधविश्वास का परिणाम लगती है। इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच की जा रही है।

सपा के लिए 'कुर्बानी' देगी कांग्रेस

यूपी उपचुनाव में कांग्रेस नहीं उतारेगी अपना प्रत्याशी

लखनऊ/एजेंसी

उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए मतदान 13 नवंबर को होगा। इस उपचुनाव को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। जानकारी के मुताबिक, चुनाव में कांग्रेस पार्टी समाजवादी पार्टी के लिए कुर्बानी देगी और उपचुनाव में किसी भी सीट पर अपना प्रत्याशी नहीं उतारेगी। इंडिया गठबंधन के तहत समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस को दो सीटें गाजियाबाद और खैर सीट दी है, लेकिन कांग्रेस दोनों ही सीट पर अपनी जीत को लेकर आश्वस्त नहीं है। इसलिए कांग्रेस अपना कोई भी प्रत्याशी चुनावी मैदान में नहीं उतारेगी। बता दें कि कांग्रेस की तरफ से पांच सीटों मांगी गई थी। कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी से उन सीटों की मांग की थी जहां बीजेपी को 2022 के चुनाव में हार मिली थी। लेकिन बात नहीं बन पाई तो कांग्रेस की तरफ से फूलपुर और मंझवा सीट मांगी गई। लेकिन अखिलेश यादव ने इन दोनों ही सीटों पर प्रत्याशी उतार दिए।हालांकि, गठबंधन के तहत समाजवादी पार्टी ने गाजियाबाद और अलीगढ़ की खैर सीट कांग्रेस के लिए छोड़ दी। इन दोनों ही सीटों पर इंडिया गठबंधन के लिए राह आसान नहीं है। यहां बीजेपी काफी मजबूत है। यही वजह है कि कांग्रेस अपने हिस्से की दो सीटों को बदलना चाह रही थी, लेकिन ऐसा हो नहीं पाया, जिसके बाद अब कांग्रेस ने मन बना लिया है कि वह अपने हिस्से की दोनों सीटों को भी सपा को दे देगी। पार्टी चुनाव में सपा का समर्थन करेगी। इसका ऐलान भी जल्द किया जाएगा।

इन सीटों पर होगा चुनाव

जिन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं, उनमें कटेहरी, करहल, मीरापुर, कुंदरकी, फूलपुर, सीसामऊ, गाजियाबाद, मझवां और खैर शामिल हैं। चुनाव आयोग के अनुसार, नामांकन दाखिल करने की शुरुआत 18 अक्टूबर से हो गयी और अंतिम तिथि 25 अक्टूबर है। नामांकन पत्रों की जांच 28 अक्टूबर को होगी। नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर है। मतदान 13 नवंबर को होगा और मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी।

यूक्रेन के लिए दूर की कौड़ी बना नाटो, क्यों नहीं मिल रही सदस्यता; कहां अटका पेच

कीव, एजेंसी। दो साल से नाटो में सदस्यता का प्रयास कर रहे यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को एक बार फिर निराशा हाथ लगी है। नाटो ने एक बार फिर से यह स्पष्ट किया कि वह यूक्रेन को अपने संगठन में शामिल करने के लिए तैयार नहीं है। यूक्रेन के लिए नाटो की सदस्यता दूर की कौड़ी होती जा रही है। दो साल से सदस्यता लेने का प्रयास कर रहे यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को एक बार फिर निराशा हाथ लगी है। नाटो ने एक बार फिर से यह स्पष्ट किया कि वह यूक्रेन को अपने संगठन में शामिल करने के लिए फिलहाल तैयार नहीं है। नाटो के सहयोगी देशों ने जेलेंस्की से उनकी विक्ट्री प्लान के बारे में और जानकारी मांगी है, जो रूस के साथ चल रहे युद्ध को समाप्त करने के उद्देश्य से बनाई गई है।

जेलेंस्की जल्द चाहते हैं नाटो की सदस्यता : जेलेंस्की की योजना इस पर केंद्रित है कि नाटो उनकी सदस्यता आवेदन पर तेजी से कार्य करे। यूक्रेन द्वारा यह आवेदन दो साल पहले रूस के आक्रमण के बाद नाटो से संरक्षण मांगने के तहत किया गया था। दरअसल नाटो की सबसे बड़ी विशेषता उसका सामूहिक सुरक्षा गारंटी है, जिसका उल्लेख संगठन के अनुच्छेद 5 में कहा गया है। यह 32 सदस्य देशों द्वारा किए गए राजनीतिक वचनबद्धता है कि यदि किसी सदस्य देश की संप्रभुता या क्षेत्र पर हमला होता है, तो सभी सदस्य उसकी सहायता करेंगे। लेकिन यह प्रावधान यूक्रेन जैसे सहयोगी देशों पर लागू नहीं होता। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, नाटो महासचिव मार्क रूटे ने जेलेंस्की के विक्ट्री प्लान पर किसी स्वागत योग्य प्रतिक्रिया नहीं दी और कहा कि वे और सहयोगी इस पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट नहीं किया कि यूक्रेन कब नाटो में शामिल हो सकता है, सिर्फ यह कहा कि यूक्रेन एक दिन सदस्य बनेगा।

नाटो का यूक्रेन को दिलासा : रूटे ने कहा, इस योजना में कई राजनीतिक और सैन्य मुद्दे हैं जिन पर हम यूक्रेन के साथ चर्चा करेंगे। हमें यह देखना होगा कि हम क्या कर सकते हैं और क्या नहीं। फिलहाल नाटो का ध्यान यूक्रेन को और अधिक क्षेत्रीय जीत दिलाने और भविष्य की शांति वार्ताओं के लिए उसकी स्थिति को मजबूत करने पर है। उल्लेखनीय है कि यह वक्त यूक्रेन के लिए काफी कठिन है। यूक्रेनी सैनिक डोनेट्स्क क्षेत्र में बेहतर तैयार और सुसज्जित रूसी बलों के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं।

यूक्रेन के लिए फिलहाल नाटो की सदस्यता नहीं चाहता अमेरिका : नाटो के सदस्यता की मांग यूक्रेन 16 सालों से कर रहा है, लेकिन अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। हालांकि, नाटो के बड़े सदस्य देश जैसे अमेरिका और जर्मनी इस बात को लेकर चिंतित हैं कि यूक्रेन को सदस्यता देने से वे परमाणु शक्ति संपन्न रूस के साथ एक व्यापक युद्ध में घसीटे जा सकते हैं। इसलिए यह देश तब तक यूक्रेन को नाटो में शामिल करने का विरोध कर रहे हैं जब तक युद्ध समाप्त नहीं होता।

बेरूत में मारे गए आईआरजीसी के वरिष्ठ कमांडर, शव बरामद: ईरान

तेहरान , एजेंसी। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने वरिष्ठ कमांडर अब्बास निलफोरूशन के मौत की पुष्टि करते हुए कहा है कि शव बरामद कर लिया गया है। निलफोरूशन पिछले महीने इजरायली हवाई हमले में हिज्बुल्लाह के नेता हसन नसरल्लाह के साथ कथित बैठक के दौरान मारे गए। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, आईआरजीसी ने शुक्रवार को सेपाह न्यूज पर कहा कि सर्च टीम द्वारा निरंतर प्रयासों के बाद निलफोरुशन का शव बरामद कर लिया गया है। आईआरजीसी ने शानदार जनरल की शहादत पर संवेदना व्यक्त की। साथ ही संकेत दिए कि उनके पार्थिव शरीर को ईरान लाया जाएगा। हालांकि कब इसे लेकर कुछ स्पष्ट नहीं किया है। बता दें कि निलफोरूशन 27 सितम्बर को इजरायली अटैक में मारे गए थे। तब इजरायल ने बेरूत के दक्षिणी उपनगर दहियाह में हिजबुल्लाह के मुख्यालय पर बड़े पैमाने पर टार्गेट अटैक किया था। इस हमले के दौरान नसरल्लाह के साथ-साथ हिजबुल्लाह के भी कई बड़े नेता मारे गए थे। अटैक के वक्त निलफोरूशन और नसरल्लाह के बीच बैठक चल रही थी। उल्लेखनीय है कि 1 अक्टूबर को आईआरजीसी ने इजरायल के रणनीतिक स्थानों पर करीब 180 मिसाइलें दागीं थी।

कितना बदल गया बांग्लादेश! मुक्ति संग्राम और मुजीब से जुड़े दिनों पर सारी छुट्टियां रद्द

ढ़ाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अगस्त महीने में तख्तापलट हो गया था। इस दौरान खूनखराब हुआ तो तत्कालीन पीएम शेख हसीना ने देश छोड़ दिया था और भारत आ गई थीं। तब से वह यहीं पर निर्वासित जिंदगी जी रही हैं। उनकी सत्ता से बेदखली के बाद नोबेल विजेता अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस ने कमान संभाल रखी है। वह भले ही अर्थशास्त्री हैं और दुनिया भर में उनका नाम है, लेकिन वह बांग्लादेश को पाकिस्तान के एजेंडे पर आगे बढ़ाते दिख रहे हैं। यही वजह है कि अब बांग्लादेश में मुक्ति संग्राम और उसके नायक मुजीबुर रहमान से जुड़े दिनों पर होने वाली छुट्टियों को रद्द कर दिया गया है। माना जा रहा है कि इस तरह बांग्लादेश की सरकार का वैचारिक झुकाव पाकिस्तान की ओर बढ़ रहा है। वही पाकिस्तान जिससे अलग होकर बांग्लादेश का गठन हुआ था। बांग्ला भाषी लोगों पर अत्याचार, भेदभाव के आरोप तत्कालीन पाकिस्तान सरकार पर लगे थे। इसी के विरोध में आंदोलन भड़का था, जिसे बांग्ला मुक्त संग्राम का नाम मिला था। अंत में 16 दिसंबर 1971 को बांग्लादेश अस्तित्व में आया था। इसमें भारत ने भी मदद की थी। मुजीबुर रहमान को उस आंदोलन का नायक माना जाता है। यही वजह थी कि उनकी जयंती और पुण्यतिथि पर बांग्लादेश में छुट्टी होती रही है। अब बांग्लादेश सरकार ने इन छुट्टियों को रद्द कर दिया है। कुल 8 राष्ट्रीय अवकाशों को मोहम्मद यूनुस सरकार ने रद्द कर दिया है। इनमें 7 मार्च और 15 अगस्त शामिल हैं, जिन्हें मुक्त संग्राम से जोड़ा जाता है। इन छुट्टियों को रद्द करने का फैसला हाल ही में हुई कैबिनेट मीटिंग में लिया गया था। इस संबंध में जल्दी ही नोटिफिकेशन भी जारी किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटिश सिंगर लियाम पायने की तीसरी मंजिल से गिरकर मौत

ब्यूनस आयर्स,एजेंसी। पॉप बैंड वन डायरेक्शन के पूर्व सदस्य और सिंगर लियाम पायने की

तीसरी मंजिल से गिरकर मौत हो गई. तीसरे मंजिल के कमरे की बालकनी से गिरने के बाद वो मृत पाए गए हैं. हालांकि, अभी मौत के कारणों का पता नहीं चला है और पुलिस की जांच जारी है. पुलिस की ओर से एख बयान जारी कर कहा गया है कि उन्हें ड्रग्स और शराब के नशे में एक शख्स के बारे में सूचना मिली थी, जिसके बाद पुलिस होटल पहुंची थी. होटल मैनेजर ने कहा कि उसने होटल के पीछे से तेज आवाज सुनी और जब पुलिस वहां पहुंची तो उन्होंने पाया कि एक आदमी अपने कमरे की बालकनी से गिरा हुआ था. आपातकालीन कर्मियों ने 31 वर्षीय ब्रिटिश गायक की मौत की पुष्टि की है. एमटीवी ने एक्स पोस्ट में कहा, आज लियाम पायने के दुखद निधन के बारे में जानकर हमें गहरा दुख हुआ है. इस कठिन समय के दौरान उनके परिवार, प्रियजनों और प्रशंसकों के साथ हैं. लियाम जेम्स पायने अंग्रेजी गायक थे. बैंड वन डायरेक्शन के सदस्य के रूप लियाम चर्चित हुए थे।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू बोला- कनाडा को भारत विरोधी जानकारियां दीं, ट्रूडो को भारतीय उच्चायोग का खुफिया नेटवर्क बताया, 3 साल से उनके संपर्क में हूं

वॉशिंगटन, एजेंसी। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने बुधवार को कनाडाई में कहा कि उसने कनाडा को भारत के खिलाफ जानकारियां दी हैं। उसका आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस पिछले 2 से 3 सालों से कनाडाई जस्टिन ट्रूडो के साथ संपर्क में है। उसने भारतीय उच्चायोग के खुफिया नेटवर्क के बारे में ट्रूडो को जानकारी दी है। पन्नू फिलहाल अमेरिका में रहता है और सिख फॉर जस्टिस नाम का संगठन चलाता है। उसके पास अमेरिका और कनाडा दोनों देशों की नागरिकता है। रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को जगमीत सिंह ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा था कि हम भारतीय राजनयिकों और पर प्रतिबंध की मांग करते हैं। एक आतंकवादी संगठन है, जो कनाडा और अन्य देशों में हिंसक गतिविधियों को अंजाम देता है। ट्रूडो की पार्टी के सांसद ने उनका इस्तीफा मांगा भारत और कनाडा के विवाद के बीच ट्रूडो की लिबरल पार्टी के एक सांसद ने अगले साल कनाडा में होने वाले चुनाव से पहले ट्रूडो का पार्टी अध्यक्ष के पद से इस्तीफा मांगा है। सांसद सीन केसी ने ट्रूडो के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि देश के लोग अब और सहन नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अब ट्रूडो के जाने का समय आ गया है, लोगों का धैर्य टूट रहा है। जून में हुए उपचुनाव में पार्टी को मिली हार के बाद पिछले हफ्ते ही हार की समीक्षा को लेकर एक बैठक हुई थी। इससे पहले जून में भी एक और सांसद वेन लॉन्ग ने ट्रूडो के इस्तीफे की मांग की थी।

गाजा में दिल दहला देने वाला मंजर, सड़क पर शवों को नोच खा रहे कुत्ते,अब तक 42 हजार मौतें

फिलिस्तीन, एजेंसी। इजरायल और हमास के बीच जंग छिड़े अब एक साल से भी ज्यादा का समय बीत चुका है। पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास के इजरायल पर हमले के बाद से गाजा में संघर्ष जारी है। अब युद्धग्रस्त गाजा से दिल दहला देने वाली तस्वीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों में आवारा कुत्ते लावारिश शवों को खाते नजर आ रहे हैं। गाजा के आपातकालीन सेवाओं के प्रमुख फारेस अफाना ने बताया है कि उन्हें और उनके सहयोगियों को उत्तरी गाजा में मारे गए फिलिस्तीनियों के शव मिले हैं जिनमें से कई पर जानवरों द्वारा शवों को खाए जाने के निशान हैं। फारेस अफाना ने सीएनएन को बताया, भूखे आवारा कुत्ते सड़क पर इन शवों को खा रहे हैं। इससे हमारे लिए शवों की पहचान करना भी मुश्किल हो रहा है। उन्होंने उत्तरी गाजा और जबालिया क्षेत्र में हवाई और जमीनी हमलों का जिक्र करते हुए कहा कि इजरायली सेना का कहर जारी है। अब त्रासदी से जूझते गाजा में शवों को अंतिम संस्कार भी नसीब नहीं हो पा रहा है। वहीं इजरायल ने दावा किया है कि हमास के लड़ाके इन इलाकों में फिर से संगठित हो रहे हैं। पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास ने इजरायल पर हमला किया था। इन हमलों में 1,206 लोगों की मौत हो गई थी जिनमें से ज़्यादातर आम लोग थे। तब से इजरायल के हमले में गाजा में 42,409 लोग मारे गए हैं वहीं 99,153 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। बुधवार को गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि पिछले 24 घंटों में इजरायली सैन्य हमलों में 65 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। अफ़ाना ने बताया कि सोमवार को इजरायली सैनिकों ने फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी द्वारा संचालित एक राहत शिविर केंद्र में खाने की तलाश कर रहे भूखे लोगों पर गोलीबारी की है। उन्होंने कहा, स्थिति बदतर होती जा रही है।

भारत के खिलाफ ठोस सबूत नहीं; भारत बोला- रिश्ते खराब करने के लिए कनाडाई पीएम ही जिम्मेदार

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने माना है कि पिछले साल जब उन्होंने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट्स के शामिल होने का आरोप लगाया था, तब उनके पास केवल खुफिया जानकारी थी। कोई ठोस सबूत नहीं था। रिपोर्ट में ये दावा किया गया है। ट्रूडो सरकार पहले दावा करती रही है कि उसने निज्जर हत्याकांड से जुड़े सबूत भारत को दिए थे। वहीं, भारत कहता रहा है कि कनाडा ने इस हत्या से जुड़ा कोई सबूत नहीं दिया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने ट्रुडो के बयान के बाद गुरुवार (17 अक्टूबर) को कहा कि दोनों देशों के संबंध खराब होने के पीछे कनाडा के पीएम ही जिम्मेदार हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कनाडा की राजनीति में विदेशी हस्तक्षेप को लेकर एक जांच समिति बनाई गई थी। ट्रूडो बुधवार को इसमें पेश हुए। इसमें उन्होंने कहा- मुझे फाइव आइज देशों से खुफिया जानकारी मिली थी, जिससे साफ हो गया था कि भारत, कनाडा की धरती पर उसके नागरिक की हत्या में शामिल है।

मेरा मकसद सिर्फ भारत सरकार से बातचीत करना था। जब मैंने ऐसा किया तो उन्होंने हमसे सबूत मांगे। तब हमने बताया कि हमारे पास खुफिया जानकारी है, फिलहाल कोई ठोस सबूत नहीं हैं। इसलिए हमें मिलकर काम करने की जरूरत है।

अमेरिका ने यमन में हूती विद्रोहियों पर हमला किया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी एयर फोर्स ने बुधवार रात यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर बमबारी की। अलजजीरा ने अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन के हवाले से बताया कि क्ब-2 स्पिरिट बॉम्बर से यमन की राजधानी सना के नजदीक 5 ठिकानों पर पर सटीक हमला किया गया।

ऑस्टिन ने कहा कि जमीन के भीतर हूती विद्रोहियों ने घातक हथियार छुपा रखे थे। इसका इस्तेमाल वे दूसरे देशों पर हमला करने और लाल सागर और अदन की खाड़ी में जहाजों को निशाना बनाने के लिए करते थे। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा कि ये हमले राष्ट्रपति बाइडेन के निर्देश पर किए गए। उन्होंने कहा कि हमारे जवाब से साफ है कि दुश्मन अपने हथियारों को जमीन के कितने ही भीतर छुपाकर रख ले, हम उसे ढूंढ़कर बर्बाद कर देंगे। हूती विद्रोहियों ने भी इस हमले की पुष्टि की है। हालांकि इसमें कितना नुकसान हुआ है इस बारे में उन्होंने जानकारी नहीं दी। ये पहली बार है जब अमेरिका ने यमन में बी-2 स्पिरिट बॉम्बर का इस्तेमाल किया है। इसके पहले अमेरिकी सेना यमन में फाइटर जेट का इस्तेमाल करती रही है। अमेरिका ने एक महीने पहले ही में बी-2 स्टेल्थ बॉम्बर की तैनाती हिंद महासागर में मौजूद सीक्रेट मिलिट्री बेस डिएगो गार्सिया पर की थी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक बी-22 स्टील्थ बॉम्बर को अमेरिका का सबसे घातक हथियार माना जाता है। कोल्ड वॉर के दौरान अमेरिका और रूस खतरनाक हथियारों की रेस में लगे थे। तब अमेरिका में इसे तैयार किया गया था। साल 1987 से 2000 तक बी-2 स्टील्थ बॉम्बर का निर्माण हुआ। अमेरिका ने 132 यूनिट बी-22 स्टील्थ बॉम्बर बनाने का टार्गेट रखा था मगर 21 का ही निर्माण किया जा सका। दो बी-22 विमान 2008 और 2022 में हादसे का शिकार हो गए थे। अमेरिका के पास अब सिर्फ 19 बी-22 स्टील्थ बॉम्बर बचे हैं। बी-22 विमान फाइटर जेट की तुलना में ज्यादा बमों को ले जाने में सक्षम है। यह परमाणु हथियार भी ले जा सकता है। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक बजट ज्यादा होने की वजह से अब बी-22 विमान नहीं बनाया जाता है। अमेरिका ने आज तक किसी भी देश को यह विमान नहीं बेचा है। अमेरिका ने हूती विद्रोहियों के ठिकाने पर हमला क्यों किया इजराइल 7 अक्टूबर से ही गाजा पर हमला कर रहा है। इसके जवाब में हूती विद्रोही समंदर में इजराइल के सहयोगी देशों के जहाजों को निशाना बना रहे हैं।

अमेरिका बोला-भारत पन्नू मामले की जांच में सहयोग कर रहा, कनाडा ने जिस पर हत्या की साजिश का आरोप लगाया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने गुरुवार को कहा कि खालिस्तानी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश को लेकर हो रही जांच में भारत की तरफ से सहयोग किया जा रहा है, उससे वे संतुष्ट हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि भारतीय अधिकारी हमें अपनी जांच का अपडेट दे रहे हैं और हम अपनी जांच का अपडेट उन्हें दे रहे हैं। पन्नू मामले में जांच को लेकर भारतीय टीम वॉशिंगटन में है।

मिलर ने गुरुवार को प्रेस ब्रीफिंग में ये भी बताया कि जिस शख्स पर अमेरिका में पन्नू की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया था, अब वह भारत सरकार का कर्मचारी नहीं है। दरअसल, अमेरिका ने पहले आरोप लगाया था कि पन्नू की हत्या की साजिश रचने में आरोपी निखिल गुप्ता, भारत सरकार के एक कर्मचारी का सहयोगी है। इन्होंने मिलकर न्यूयॉर्क में पन्नू की हत्या की साजिश रचने में मदद की थी।

14 अक्टूबर को अमेरिका ने कहा था कि भारत ने पन्नू की हत्या की कोशिश करने के आरोपी खुफिया अधिकारी को गिरफ्तार किया है। वॉशिंगटन पोस्ट में इस अधिकारी का नाम विक्रम यादव बताया गया था। भारत सरकार ने 1 जुलाई 2020 को पन्नू को क्क के तहत आतंकी घोषित किया था। पन्नू के पास कनाडा और अमेरिका की नागरिकता है। भारत सरकार ने 1 जुलाई 2020 को पन्नू को क्क के तहत आतंकी घोषित किया था। पन्नू के पास कनाडा और अमेरिका की नागरिकता है। पन्नू की हत्या की साजिश का मामला पन्नू की हत्या की साजिश रचने के आरोप में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को 30 जून 2023 को चेक रिपब्लिक पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद 14 जून 2024 को निखिल को अमेरिका प्रत्यर्पित कर दिया गया था। निखिल पर अमेरिका में केस चलाया गया, जहां उसने खुद को निर्दोष बताया था। **पन्नू को मारने के लिए दिए गए थे 83 लाख रुपए :** अमेरिकी एजेंसियों के मुताबिक, पन्नू को मारने साजिश पिछले साल सितंबर में क्क्मोदी के अमेरिका दौरे के वक्त की गई थी। चार्जशीट के मुताबिक, भारत के एक पूर्व अफसर ने निखिल गुप्ता से पन्नू की हत्या की साजिश करने को कहा था। निखिल ने एक व्यक्ति के साथ काम के बदले 83 लाख रुपए देने की डील की थी। यादव ने पन्नू के बारे में भारतीय एजेंट निखिल गुप्ता को जानकारी भेजी, जिसमें उसके न्यूयॉर्क में होने के बारे में पता चला था। इसके बाद निखिल गुप्ता ने पन्नू को मारने के लिए एक एजेंट से संपर्क किया। हालांकि, साजिश कामयाब होने से पहले ही निखिल गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया गया था।

हिजबुल्लाह की इस ताकत ने उड़ा दिए हैं इजरायल के होश

जेरूसलम, एजेंसी। इजरायल एक तरफ गाज़ा पर ताबड़तोड़ हमले किए पड़ा है और दूसरी तरह लेबनान में हिजबुल्लाह पर लगातार हमले किए जा रहा है. हिजबुल्लाह पर हमले होते हुए करीब एक महीना होने जा रहा है. ऐसे में हिजबुल्लाह भी न तो झुकता दिख रहा है और न ही इजरायल की ओर से कोई नरमी बरती जा रही है. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जरूर इजरायल को शांत करने की कोशिशें आरंभ हो गई हैं. वहीं, इजरायल की ओर से अभी तक गाज़ा या कहें हमास को लेकर कोई ढिलाई करने के मूड में नहीं है. लेकिन, दूसरी तरफ लेबनान में हिजबुल्लाह लड़ाकों को लेकर कुछ शर्तों के साथ हमले रोकने की बात को तैयार है. आखिर ऐसा क्यों है. इसके पीछे जो वजह निकलकर सामने आ रही है वह जानकर अमेरिका से लेकर कई दमदार देश हैरान हैं. इजरायली नौसेना की चिंता येरुसेलम पोस्ट में छपी खबर के मुताबिक इज़रायली नौसेना के अधिकारियों का कहना है कि हिज़्बुल्लाह के पास अभी भी एक कार्यरत नौसैनिक शाखा है जिसके पास जहाज-रोधी मिसाइलें और संभावित नौसैनिक बैलिस्टिक मिसाइलें भी हैं. यह डर इजरायल की नौसेना को सता रहा है. हिजबुल्लाह के पास नौसेना की ताकत बता दें कि आईडीएफ ने पिछले दशक में हिज़्बुल्लाह की नौसैनिक क्षमताओं पर बारीकी से नज़र रखी है. इसका अधिकांश ध्यान रूस निर्मित

सुपरसोनिक याखोंट मिसाइल पर था. एक आकलन के मुताबिक, मिसाइल रूस से सीरिया को बेची गई थी और फिर हिजबुल्लाह को हस्तांतरित कर दी गई थी. ईरान की मदद से नौसेना तैयार कहा जा रहा है कि हिजबुल्लाह ने ईरान के समर्थन से एक गुप्त नौसैनिक इकाई तैयार की है. इसने काफी तैयारी कर ली है लेकिन, इजरायल समय-समय पर इसे कम करता रहा है. इस बात पर इजरायल लगातार नज़र बनाए रखे था और धीमें-धीमें अपनी तैयारी भी करता आया है. हिजबुल्लाह की नौसैनिक इकाई के पास पोर्ट पर हमले की क्षमता है और इजरायल की नौसेना को इसी बात का डर सताता है. इजरायल के पास तकनीक रूप से उन्नत मिसाइलें और राडार सिस्टम हैं. इजरायल की एक और चिंता यह है कि यमन में हूती आतंकियों के पास भी कुछ मिसाइलें हो सकती हैं।

फ्रेंकफर्ट-मुंबई विस्तारा फ्लाइट में बम की धमकी, पाकिस्तान के एयर स्पेस में मिला इमरजेंसी सिग्नल, 4 दिन में विमान में बम की 20वीं धमकी

फिलिस्तीन, एजेंसी। विस्तारा की फ्रेंकफर्ट-मुंबई फ्लाइट के-028 में गुरुवार को बम होने की धमकी मिली। इसके बाद फ्लाइट की मुंबई में आपात लैंडिंग कराई गई। यह धमकी सोशल मीडिया के जरिए दी गई। जब अधिकारियों ने बम की धमकी की सूचना करू मेंबर्स को दी, विमान पाकिस्तान के एयर स्पेस में उड़ान भर रहा था। फ्लाइट में 147 यात्री सवार थे। लैंडिंग के बाद विमान को आइसोलेशन में ले जाया गया, जहां सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से उतार लिया गया। इससे पहले बुधवार को सात और फ्लाइट्स में बम होने की धमकी मिली थी। इसमें इंडिगो की चार, स्पाइसजेट की 2 और अकासा की एक फ्लाइट शामिल है। पिछले 4 दिन में कुल 20 विमानों को बम की धमकी मिल चुकी है। 15 अक्टूबर को 7 फ्लाइट्स में बम होने की धमकी मिली थी। इन फ्लाइट्स में एअर इंडिया एक्सप्रेस का दिल्ली से शिकागो जाने वाला विमान भी शामिल था। उसे कनाडा डायवर्ट कर इकालुइट एयरपोर्ट पर उतारा गया था। जांच में इन फ्लाइट्स में बम की खबर झूठी निकली थीं। हालांकि, सभी एयरपोर्ट्स पर सिक्योरिटी बढ़ाई गई है। लगातार मिल रही धमकियों के बीच केंद्र ने बुधवार को फ्लाइट्स में एयर मार्शलों की संख्या को दोगुना करने का फैसला किया है। ये विमान में सादे कपड़े में रहेंगे। इसके अलावा गृह मंत्रालय ने एविएशन मिनिस्ट्री से रिपोर्ट मांगी है।

धमकी भरे मैसेज भेजने वालों की पहचान- एविएशन मिनिस्ट्री : एयरलाइंस को धमकी भरे मैसेज भेजने के मामले में बुधवार को एविएशन मिनिस्ट्री ने संसदीय समिति को जवाब दिया। मिनिस्ट्री ने कहा कि

आरोपियों की पहचान कर ली गई है और एक्शन लिया जा रहा है। साथ ही कहा कि और ज्यादा जानकारी इकट्ठा की जा रही है और ऐसे कई मामलों पर कदम उठाया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सभी साइबर यूनिट्स को धमकी देने वाले सोशल मीडिया अकाउंट्स को ट्रैक करने का निर्देश दिया गया है। इनमें से ज्यादातर अकाउंट विदेश से चल रहे हैं। 15 अक्टूबर- एक शख्स ने धमकी भेजी थी, सभी झूठी निकलीं मंगलवार को 7 फ्लाइट्स में बम होने की धमकी मिली थी। धमकी मिलने वाली फ्लाइट्स में एअर इंडिया की दिल्ली से शिकागो जाने वाला विमान भी शामिल था। इसके बाद उसे कनाडा डायवर्ट कर दिया गया। प्लेन को कनाडा के इकालुइट एयरपोर्ट पर उतारा गया। यहां यात्रियों और उसमें मौजूद सामान की जांच की गई थी। दिनभर में 7 फ्लाइट्स को धमकी मिलने की वजह से सिक्योरिटी एजेंसियों ने कई एयरपोर्ट्स पर काउंटर टेररिस्ट ड्रिल किए थे। जांच में पता चला है कि सभी धमकियां एक ही शख्स की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भेजी गई थीं।

रीता सान्याल आ रही है आपको चौकाने और हंसाने के लिए

डिज्नी प्लस हॉटस्टार ने हाल ही में थ्रिलर ड्रामा सीरीज, रीता सान्याल की घोषणा की है, जिसमें शानदार अदाह शर्मा मुख्य भूमिका में हैं। अदाह के साथ अंकुर राठी, राहुल देव और माणिक पपनेजा जैसे प्रतिभाशाली कलाकार हैं। रीता सान्याल को केलाइट प्रोडक्शन्स द्वारा प्रोड्यूस किया गया है और ये डिज्नी प्लस हॉटस्टार मोबाइल ऐप पर मुफ्त में स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध होगी। लुक्स से लेकर जस्टिस तक, रीता सान्याल आपको चौकाने, सोचने और हंसाने आ रही है! पेशे से वकील और दिल से जासूस, रीता सान्याल एक नई और ताज़गी भरी टवीस्ट लेकर आती हैं। केलाइट प्रोडक्शन्स के बैनर तले राजेश्वर नायर और कृष्णन अय्यर द्वारा प्रोड्यूस की गई और अभिरूप घोष द्वारा निर्देशित डिज्नी प्लस हॉटस्टार की 'रीता सान्याल' मशहूर लेखक अमित खान द्वारा रचित किरदार पर आधारित है। इसे डिज्नी प्लस हॉटस्टार के मोबाइल ऐप पर मुफ्त में देखा जा सकेगा, और नए एपिसोड सोमवार से शुक्रवार तक जारी होंगे! हम सभी डिटेक्टिव थ्रिलर्स के फैन रहे हैं और डिज्नी प्लस हॉटस्टार की रीता सान्याल उसी में एक मजेदार ट्विस्ट लेकर आई है जिसका इंतजार हम सभी को था! अदाह शर्मा शानदार प्रदर्शन करती हैं, जहां वो एक मेहनती वकील और तेज-तर्रार जासूस का किरदार निभाती हैं जो अपनी चतुराई और हाज़रिजवाबी से मुश्किल केस सुलझाती हैं। उनकी अद्भुत क्षमता उन्हें हर स्थिति में ढलने देती है, और वो खतरनाक कानूनी मोर्चों पर भी मजबूती से डटी रहती हैं। मशहूर लेखक अमित खान, जिन्होंने रीता सान्याल का किरदार रचा है, ने कहा, रीता सान्याल एक वकील है। रीता सान्याल न केवल कोर्ट में केस हल करती है बल्कि खुद जांच भी करती है। उसके केस सुलझाने का तरीका बहुत अनोखा है और वो अपराधियों के बीच घुलने-मिलने के लिए अलग-अलग भेष धरती है। अदाह शर्मा ने 'रीता सान्याल' के किरदार को जीवंत कर दिया है। उन्होंने रीता सान्याल के हर अलग भेष को बखूबी निभाया है।

फिल्म स्त्री 2 की सफलता का जश्न मना रही श्रद्धा कपूर

अपनी फिल्म स्त्री 2 की सफलता का बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर इन दिनों जश्न मना रही हैं। एक्ट्रेस अपने प्यारे पेट्स के साथ समय बिताते हुए सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। श्रद्धा ने अपने पेट स्मॉल के पसंदीदा गाने के बारे में खुलासा किया, जिसने उनके फैंस के बीच हलचल मचा दी है।

श्रद्धा के पास दो प्यारे पेट्स हैं – श्ल्योह और स्मॉल, जिनके साथ उनकी बॉन्डिंग सोशल मीडिया पर अक्सर दिखती है। इस बार श्रद्धा ने बताया कि स्मॉल का फेवरेट गाना 90 के दशक की हिट फिल्म मिस्टर और मिसेज खिलाड़ी का प्रसिद्ध गाना समोसे में आलू है। श्रद्धा ने इंस्टाग्राम पर इस गाने का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा, मेरे स्मॉल का फेवरेट सॉन्ग। श्रद्धा ने इस पोस्ट के साथ एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें उनके दोनों पेट्स गली में मस्ती करते हुए नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को पोस्ट करते हुए श्रद्धा ने मजाकिया अंदाज में कैप्शन लिखा, मेरी सोसाइटी बॉस लोग। अभिनेत्री ने अपने पेट्स को लेकर अक्सर प्यारी और दिलचस्प पोस्ट्स शेयर की हैं, जो उनके फैंस के बीच काफी लोकप्रिय हैं। फिल्मी मोर्चे पर श्रद्धा कपूर को हाल ही में स्त्री 2 में देखा गया, जिसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। इस फिल्म में उनके साथ राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना नजर आए। स्त्री की सफलता के बाद, स्त्री 2 से भी दर्शकों की उम्मीदें काफी थीं, और फिल्म ने इन उम्मीदों पर पूरी तरह खरा उतरते हुए जबरदस्त कमाई की। श्रद्धा को फिल्म में उनके किरदार और अभिनय के लिए काफी सराहना मिल रही है।

श्रद्धा की पिछली फिल्मों में आशिकी 2, ओके जानू, एक विलेन, हसीना पार्कर, छिछोरे, और स्ट्रीट डांसर 3 डी जैसी हिट फिल्में शामिल हैं, जिन्होंने उन्हें बॉलीवुड की सफल अभिनेत्रियों की सूची में मजबूती से स्थापित किया है। फिलहाल, श्रद्धा अपने करियर के सुनहरे दौर का आनंद उठा रही हैं और अपने प्यारे पेट्स के साथ मस्ती करते हुए अपने फैंस से जुड़े रहने का हर मौका तलाश रही हैं। बता दें कि श्रद्धा ने स्मॉल को 21 सितंबर को अपने परिवार में शामिल किया था और इंस्टाग्राम पर स्मॉल की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा था, मेरे घर आई एक नई स्त्री... मिलिए स्मॉल से। यह मेरे परिवार की नई सदस्य और मेरी दोस्त है। मुझे यह तोहफे में मिली है।

अनन्या ने आर्यन खान को लेकर किया दिलचस्प खुलासा

हाल ही में बालीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को लेकर एक दिलचस्प खुलासा किया है। एक्ट्रेस अनन्या पांडे इस समय अपनी वेब सीरीज़ सीटीआरएल के प्रमोशन में व्यस्त हैं। प्रमोशन के दौरान अनन्या ने बताया कि बचपन में आर्यन खान ने उन्हें और उनकी दोस्तों को एक बार धमकी दी थी। अनन्या ने कहा, मैं अक्सर ब्लॉग बनाती थी जिसमें मैं अपने दिनभर की गतिविधियां और खाने-पीने की चीजें रिकॉर्ड करती थी, लेकिन इन्हें कभी पोस्ट नहीं करती थी। उस समय, फोटोबूथ और एप्पल जैसी नई चीजें आई थीं, और हम सुहाना, शनाया और मैं इसे रिकॉर्ड करते थे। एक बार आर्यन ने हमें धमकी दी कि अगर हम उसके लिए काम नहीं करेंगे, तो वह हमारे प्राइवेट वीडियो और ब्लॉग्स लीक कर देगा। अनन्या ने इस मजाक को बचपन की शरारत बताया और कहा कि यह सब किसी गंभीरता से नहीं किया गया था। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि ऑनलाइन सेफ्टी के मुद्दे पर जागरूकता फैलाना बेहद जरूरी है।

अनन्या ने कहा, आजकल सोशल मीडिया पर सुरक्षा के मुद्दे पर ध्यान देना बहुत जरूरी है, और हमें इसके बारे में सचेत रहना चाहिए। जहां अनन्या और सुहाना बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत कर चुकी हैं, वहीं उनकी दोस्त शनाया कपूर जल्द ही अपनी फिल्मों से पर्दे पर दिखाई देगी। शनाया अपनी पहली फिल्म के लिए तैयार हैं और उनके फैंस इसको लेकर काफी उत्साहित हैं। दूसरी ओर, आर्यन खान अपने दोस्त बंटी सिंह के साथ मिलकर एक लग्जरी लाइफस्टाइल ब्रांड लेटी ब्लागोर्वा लॉन्च कर चुके हैं। इस बयान के बाद, सोशल मीडिया पर लोग अनन्या और आर्यन की बचपन की इस मजाक को लेकर चर्चा कर रहे हैं। हालांकि, अनन्या ने इसे सिर्फ एक हल्का-फुल्का मजाक बताया, और इस घटना को लेकर किसी प्रकार की कोई नकारात्मकता नहीं जताई है। बता दें कि शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान और एक्ट्रेस अनन्या पांडे बचपन से ही अच्छे दोस्त रहे हैं। दोनों अक्सर साथ स्पॉट होती हैं और एक-दूसरे के साथ समय बिताती हैं।

मुश्किल समय के बावजूद हिना ने शेयर की भावुक पोस्ट

अभिनेत्री हिना खान इस समय सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। एक्ट्रेस ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। इस मुश्किल समय के बावजूद हिना ने हाल ही में एक भावुक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपनी आंखों और पलकों की तस्वीर साझा की। तस्वीर में उनके लंबी और खूबसूरत पलकों का गिरना साफ नजर आ रहा है, जो कि कीमोथेरेपी का असर है। अब उनकी आखिरी पलक बची हुई है। हिना ने इस कठिन समय को अपनी प्रेरणा बताया और लिखा कि यही आखिरी पलक उनके संघर्ष और साहस की प्रतीक है। हिना खान ने इंस्टाग्राम पर तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, जानना चाहते हैं कि इस समय मेरी प्रेरणा का सोर्स क्या है? एक समय था, जब मेरी सुंदर पलकें मेरी आंखों की शोभा बढ़ाती थीं। ये जेनेटिकली बहुत लंबी और सुंदर लैशेस थीं। ये बहादुर... अकेली योद्धा मेरी आखिरी पलक ने मेरे साथ सबकुछ सहन किया है, लड़ा है। मेरी कीमो के आखिरी सेशन में ये अकेली पलक मेरी प्रेरणा है। हम इस मुश्किल समय को भी पार कर लेंगे। हिना ने यह भी बताया कि पिछले एक दशक से उन्होंने नकली पलकें नहीं पहनी थीं, लेकिन अब उन्हें शूट्स के लिए इसे पहनना पड़ता है। उन्होंने इस मुश्किल वक्त में भी अपने आत्मविश्वास को कायम रखते हुए कहा, कोई नहीं, सब ठीक हो जाना है। गौरतलब है कि हिना खान कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के बावजूद अपने काम से दूर नहीं हुई हैं। वह लगातार शूट्स में व्यस्त हैं और अपने पेशेवर जीवन को भी संभाल रही हैं।

मौनी रॉय अपने फैशन सेंस से खींचा सभी का ध्यान

अभिनेत्री मौनी रॉय ने लंदन फैशन वीक 2025 में जबरदस्त प्रभाव डाला है। मौनी ने इस इवेंट में 1 मिलियन डॉलर की मीडिया इम्पैक्ट वैल्यू (एमआईवी) दर्ज की। इस आयोजन में वह एकमात्र भारतीय सेलिब्रिटी थीं, जिन्होंने न केवल भारत का प्रतिनिधित्व किया, बल्कि वैश्विक स्तर पर अपने फैशन सेंस से भी सबका ध्यान आकर्षित किया। एक पोस्ट के अनुसार, मौनी रॉय ने इस कार्यक्रम के दौरान मीडिया इम्पैक्ट वैल्यू में डॉलर 1 मिलियन का आंकड़ा छूने में सफलता प्राप्त की। एमआईवी ब्रांडों को उनके पोस्ट, इंटरैक्शन और लेखों के लिए वित्तीय मूल्य का निर्धारण करने में मदद करता है, जिससे वे अपने ब्रांड और विपणन सहयोग की प्रभावशीलता का आकलन कर सकते हैं। मौनी की प्रभावशीलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने कार्यक्रम की पहुंच को बढ़ाया और विभिन्न ब्रांडों को सबसे आगे लाया। इस लिस्ट में मौनी रॉय के साथ-साथ प्रसिद्ध हस्तियों जैसे हू बिंग, डायमोंटे हार्पर, डेक्लान राइस और लेह-ऐनी पिन्नॉक का भी नाम था, लेकिन मौनी रॉय ने इस प्रतिस्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया। डालर 1 मिलियन की एमआईवी के साथ, वह अब सबसे प्रभावशाली हस्तियों में गिनी जाती हैं।

इस सफलता ने यह साबित कर दिया है कि मौनी रॉय केवल एक बॉलीवुड स्टार ही नहीं, बल्कि एक ग्लोबल आइकन भी हैं, जो हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर रही हैं। मौनी ने इस इवेंट में अपने बेदाग फैशन सेंस से भी सबको मंत्रमुग्ध किया और खुद को एक सच्चे फैशनिस्टा के रूप में स्थापित किया। इसके अलावा, काम के मोर्चे पर भी उन्होंने उल्लेखनीय प्रगति की है। हाल ही में उन्होंने बेंगलुरु में अपनी रेस्तरां चैन बदमाश का विस्तार किया, जो पहले से ही मुंबई में सफलता प्राप्त कर चुकी थी।

स्कैम से बचो अभियान के ब्रांड एंबेसडर बन आयुष्मान

मेटा ने अपनी नई सुरक्षा मुहिम स्कैम से बचो अभियान का एक्टर आयुष्मान खुराना को ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया है। बॉलीवुड स्टार आयुष्मान खुराना लोगों को ऑनलाइन ठगी से बचाव और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने के लिए जागरूक करेंगे।

इस अभियान को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारतीय साइबर क्राइम समन्वय केंद्र और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सहयोग से लॉन्च किया गया है। मेटा का यह अभियान देश में बढ़ती ऑनलाइन धोखाधड़ी और साइबर क्राइम के मामलों से निपटने में सरकार के प्रयासों का समर्थन करता है और यूजर्स की ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को उनके रोजमर्रा के जीवन में होने वाली आम धोखाधड़ी से सतर्क करना है और उन्हें इस बारे में जागरूक करना है कि वे डिजिटल दुनिया में किस प्रकार सुरक्षित रह सकते हैं। अभियान के तहत एक शैक्षिक फिल्म बनाई गई है, जिसमें आयुष्मान खुराना एक शादी के मेहमान के रूप में नजर आते हैं। फिल्म में आयुष्मान उन लोगों को ठगी से बचाने का काम करते हैं जो धोखाधड़ी का शिकार होने वाले होते हैं। उनका हास्यपूर्ण अंदाज और शीघ्र सोच ने फिल्म को आकर्षक और जागरूकता पैदा करने वाला बना दिया है। फिल्म में फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर उपलब्ध सुरक्षा सुविधाओं को भी प्रमुखता से दिखाया गया है, जो यूजर्स को अपनी ऑनलाइन सुरक्षा पर नियंत्रण रखने का अवसर प्रदान करती हैं। इस अभियान में मेटा की सुरक्षा सुविधाओं पर भी जोर दिया गया है, जिनमें टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन, ब्लॉक और रिपोर्ट, और व्हाट्सएप की समूह गोपनीयता सेटिंग्स जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इन सुविधाओं का उद्देश्य यूजर्स को ऑनलाइन ठगी, धोखाधड़ी और अकाउंट खतरे से बचाने के लिए जरूरी सुरक्षा उपकरण प्रदान करना है। अभियान के लॉन्च पर आयुष्मान खुराना ने कहा, आज के डिजिटल युग में ऑनलाइन धोखाधड़ी और ठगी के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। यह जरूरी है कि हम सतर्क रहें और खुद को सुरक्षित रखने के उपायों के बारे में जानें। मैं मेटा की इस सुरक्षा पहल का हिस्सा बनकर खुश हूं, जिसका उद्देश्य लोगों को साइबर ठगी से बचाव के बारे में जागरूक करना है। यह अभियान हमें याद दिलाता है कि किसी भी कार्रवाई से पहले दो बार सोचें और मेटा के सुरक्षा टूल्स का इस्तेमाल करें, जो आपकी ऑनलाइन सुरक्षा को सुनिश्चित करते हैं। इस अभियान में ओटीपी ठगी, व्यक्तिगत खातों और गोपनीय जानकारी को नुकसान पहुंचाने वाली ठगी, नकली निवेश और व्यापार घोटाले, फर्जी लोन ऐप्स और ऑफर जैसी धोखाधड़ी का प्रदर्शन किया गया है।

जब वी मेट में मुख्य भूमिका के लिए चुना गया था भूमिका को

बालीवुड अभिनेत्री भूमिका चावला ने हाल ही में अपने करियर से जुड़े कुछ दिलचस्प खुलासे किए हैं। भूमिका ने बताया कि उन्हें इम्तियाज अली की हिट फिल्म जब वी मेट और राजकुमार हिरानी की मुन्ना भाई एमबीबीएस से रिप्लेस किया गया था। भूमिका ने दौरान कहा कि उन्हें जब वी मेट में मुख्य भूमिका निभाने के लिए चुना गया था, लेकिन बाद में करीना कपूर को उनकी जगह कास्ट कर लिया गया। भूमिका ने बताया कि पहले इस फिल्म का नाम ट्रेन रखा गया था और उनके साथ बॉबी देओल को कास्ट किया गया था। बाद में, कई कास्टिंग बदलाव हुए और आखिरकार करीना और शाहिद कपूर को फिल्म में लिया गया। उन्होंने कहा, मुझे केवल एक बार बुरा लगा, जब मैंने जब वी मेट साइन की थी लेकिन काम नहीं कर पाई। इसके अलावा, भूमिका ने यह भी खुलासा किया कि उन्हें संजय दत्त की फिल्म मुन्ना भाई एमबीबीएस के लिए भी साइन किया गया था, लेकिन बाद में उनकी जगह ग्रेसी सिंह को लिया गया। हालांकि, भूमिका ने इस बात को स्वीकार किया कि फिल्म इंडस्ट्री में ऐसे बदलाव सामान्य हैं और उन्होंने इसे सहजता से लिया। भूमिका ने अपने करियर में हिंदी के अलावा तेलुगु, तमिल और मलयालम सिनेमा में भी काम किया है। तेरे नाम से उन्हें काफी प्रसिद्धि मिली थी। इसके बाद उन्होंने कई और फिल्मों में काम किया। साल 2023 में भूमिका ने सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान के साथ बॉलीवुड में वापसी की थी। भूमिका ने सलमान खान के साथ फिल्म तेरे नाम में अपनी बेहतरीन अदाकारी से दर्शकों के दिलों में जगह बनाने कामयाबी हासिल की थी।

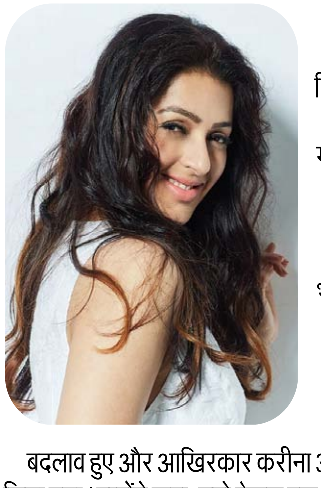

जेडीए सचिव निशांत जैन ने ली समस्त प्रकोष्ठों की समीक्षा बैठक, दिये विभिन्न आवश्यक दिशा-निर्देश

12 मुख्य सडकों से 31 अक्टूबर तक हटायें जाएंगे अतिक्रमण/अवरोध

- **राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट - 2024 हेतु आवष्यक सुधारीकरण/सौंदर्यीकरण कार्यो को शीघ्र पूर्ण करवाने के दिए निर्देश**
- **वर्ष 2024-25 की बजट घोषणाओं के भूमि आवंटन 15 नवम्बर तक करने के दिए निर्देश**

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी),20 अक्टूबर। स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा के मार्गदर्शन में जेडीए सचिव निशांत जैन की अध्यक्षता में शनिवार को जेडीए के मंथन सभागार में जविप्रा के समस्त प्रकोष्ठों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। उन्होंने प्रवर्तन शाखा के अधिकारियों को जेडीए क्षेत्राधिकार में संचालित कोचिंग इंस्टीट्यूट के संबंध में जेडीए से संबंधित बिंदुओं की जांच करने के निर्देश दिये। उन्होंने अभियांत्रिकी शाखा के अधिकारियों को 12 मुख्य सडकों पर अवरोधों/ अतिक्रमणों के कारण सडक

निर्माण नहीं हो पा रहा है, ऐसे अवरोधों/अतिक्रमणों को 31 अक्टूबर, 2024 तक हटवाने के निर्देष दिये। जेडीए सचिव ने वर्ष 2024-25 की बजट घोषणा में भूमि आवंटन के प्रकरणों को 15 नवम्बर, 2024 तक पूर्ण करने के निर्देश दिये। जेडीए सचिव द्वारा आमजन की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए जेडीए के नागरिक सेवा केंद्र की समस्त ऑनलाईन सेवाओं की पेडेंसी शून्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने डीटीएस/ सम्पर्क पोर्टल पर लम्बित प्रकरणो को गुणात्मक रूप से 30 दिवस में लंबित प्रकरणों का तत्काल निस्ताकरण करने के निर्देश दिये। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट - 2024 हेतु आवश्यक सुधारीकरण/ सौंदर्यीकरण कार्यो को शीघ्र पूर्ण करवाने हेतु जोनवार समीक्षा करते हुए कर्व स्टोन की मरम्मत करवाने, मीडियन में पेड लगवाने, रोड पेच वर्क एवं साफ-सफाई करवाने, विभिन्न आवशयक स्थानों पर लाईटिंग, फुटपाथ-मीडियन मरम्तीकरण/ सौंदर्यीकरण, साफ-सफाई करवाना, पेड लगवाने/ ग्रूमिंग, विद्युतीकरण कार्य, जैसे इत्यादि कार्य करवाने के निर्देश दिये।

लाईट्स प्रकरणों (कोर्ट कैसेज) का निस्तारण त्वरित गति से करने एवं इससे संबंधित प्रकरणों की निरंतर मॉनिटरिंग कर पेन्डेन्सी शून्य करने के निर्देष दिये। उन्होंने कोर्ट में लंबित प्रकरणों की प्रभावी एवं पुख्ता पैरवी नहीं करने वाले अधिवक्ताओं को बदलने के निर्देश दिये, जिससे जेडीए के पक्ष में निर्णय पारित हो सके।

सार्वजनिक निर्माण विभाग के एक और मुख्य अभियंता ने लिया वीआरएस

चमकता राजस्थान

जयपुर। सार्वजनिक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता हरिकेश मीणा ने दोसा विधानसभा क्षेत्र से उपचुनाव लड़ने के लिये विआरएस का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया था जिसे आईएएस संयुक्त शासन सचिव कमल राम मीणा ने स्वीकार करने के आदेश जारी किए।

ग़ौरतलब है कि इससे पहले भी एक मुख्य अभियन्ता अविनाश शर्मा ने वीआर-एस के लिए आवेदन किया था जिसे स्वीकार कर लिया गया था। मिली जानकारी के अनुसार सार्वजनिक निर्माण विभाग में सरकार बदलने के बाद बदली परिस्थिति को देखते हुए कई और अभियन्ता भी ले सकते हैं वीआरएस।

हरिकेश मीणा की दोसा सांसद मुरारीलाल मीणा से नज़दीकी जगजाहिर है मिली जानकारी के अनुसार दौसा सांसद मुरारी लाल मीणा के निर्देश पर पीडब्लूडी के चीफ इंजीनियर हरिकेश मीणा ने इस्तीफा देकर दौसा उप चुनाव में उतरने की पूरी तैयारी कर ली है। ग़ौरतलब है कि मु-रारी लाल मीणा के हरिकेश बहुत बड़े फाइनेंशर रहे हैं जब हरिकेश राजगढ़ (अलवर) में अधिशासी अभियंता थे, तब हरिकेश ने मुरारी की बहुत बड़ी वित्तीय मदद की थी,सूत्रों से पता चला है कि मुरारी ने हरिकेश को कांग्रेस की टिक ट दिलवाने का वादा किया है,मुरारी के निकटवर्ती सूत्रों ने बताया कि सचिन पायलट ने भी हरिकेश के नाम को हरी झंडी दे दी है।

राजनैतिक पंडितों का मानना है कि मुरारीलाल मीणा हरिकेश मीणा का नाम आगे कर ऐन वक़्त पर सहमति न बनने पर अपनी बेटी या बेटे का नाम आगे कर सकते हैं।

अवैध रूप से विस्फोटक सामग्री विक्रय एवं भंडारण करने वालों के विरूद्ध की जाएगी कार्यवाही

चमकता राजस्थान। धौलपुर(रामदास तरुण) । धौलपुर उपखण्ड क्षेत्र में विस्फोटक आतिशबाजी सामग्री के कारण कोई अप्रिय घटना घटित न हो उसको देखते हुए, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में अवैध रूप से विस्फोटक सामग्री विक्रय एवं भंडारण करने वालों के विरूद्ध विस्फोटक नियम के तहत कार्यवाही की जायेगी। उपखण्ड मजिस्ट्रेट एवं उपखण्ड अधिकारी डॉ. साधना शर्मा ने बताया कि उपखण्ड धौलपुर में विस्फोटक, आतिशबाजी सामग्री के कारण कोई अप्रिय घटना घटित न हो जाये उसके देखते हुए उपखण्ड क्षेत्र धौलपुर के ग्रामीण व शहरी क्षेत्र धौलपुर में अवैध रूप से या बिना किसी आतिशबाजी लाइसेंस के विस्फोटक, आतिशबाजी सामग्री बनाने या विक्रय करने व भण्डारण करने वाले लोगों को चिन्हित करने और उन पर कार्यवाही करने के संबंध में उप अधीक्षक पुलिस वृत्त धौलपुर एवं मनियां तहसीलदार धौलपुर और मनियां एवं थानाधिकारी पुलिस थाना निहालगंज, कोतवाली, सदर धौलपुर, मनियां को दिये निर्देश गये हैं। बिना लाइसेंस व अवैध रूप से विस्फोटक या आतिषबाजी सामग्री के विक्रय व भण्डारण करते और बनाते हुए पाया जाता है। तो उसके विरूद्ध विस्फोटक नियम 2008 में निर्धारित मापदंडों के तहत कार्यवाही की जायेगी।

मनोहरपुर में विधिवत रूप से आयोजित किया गया राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पथ संचलन कार्यक्रम

चमकता राजस्थान

मनोहरपुर। मनोहरपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पथ संचलन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता विभाग प्रचारक नरेंद्र भारत ने समाज में सामंजस्य और संगठन बनाकर भारत को उन्नति के मार्ग पर अग्रसर करने की बात कही, विजयादशमी उत्सव शक्ति की उपासना का पर्व है, शक्ति से ही समाज में आंतरिक और बाहरी अनुशासन आता है। आज के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मोहनलाल बल्लीवाल निर्देशक एमडीएस स्कूल घासीपुरा ने कहा कि स्वयंसेवक कदम से कदम मिलाकर जीवन के हर क्षेत्र में कार्य करते हुए शीघ्र ही अपनी क्षमता और योग्यताओं का उपयोग करते हुए देश को उन्नति के शिखर पर ले जाएंगे।कैलाश जलजला खंड कार्यवाह शाहपुरा ने बताया कि पथ संचलन की तैयारी पिछले कुछ

दिनों से जोर-जोर से चल रही थी, और कल पूरी रात राजेश जांगिड़ खंड सेवा प्रमुख शाहपुरा सानिध्य में स्वयंसेवकों ने रात भर काम करके सजावट और व्यवस्थाओं को क्रियान्वित किया। वीर भगत सिंह शाखा आदर्श विद्या मंदिर मैदान से रवाना संचलन होकर इंदिरा कॉलोनी, टोल टैक्स, बस स्टैंड, गांधी चौक , धूलेश्वर कॉलेज से होते हुए पुनः संघ स्थान पहुंचा। मार्ग में ग्रामीणों ने अनेक जगह पुष्प वर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया और भारत माता के जयकारों से कस्बा गुंजायमान हो उठा। कार्यक्रम की समाप्ति पर कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों को अल्पाहार करवाया गया। पुलिस प्रशासन, नगर पालिका का बहुत अच्छा सहयोग प्राप्त हुआ। राष्ट्रीय सेविका समिति की बहनों ने रंगोली और संघ स्थान सजावट में बहुत ही शानदार सहयोग दिया। कार्यक्रम में उपखंड कार्यवाह रोहित कुमावत,अंकित ,हनुमान जाट,विष्णु ,अशोककेदावत,पवन मित्तल, सीताराम बुनकर, कैलाश शर्मा, मुकेश जाट, वसंत बिहारी शर्मा, रमेशगोरा,कैलाशसंघी,विक्रमविराटनगर,मागीलाल मेड,विकास कुमावत, सुभाष जी कुमावत, बंशीधर जी यादव, चतुर्भुज जी ब्रह्म भट्ट, जयराम जी बिशनगढ़, नेमीचंद जी यादव, दशरथ अनिल शुक्ला, विक्रम जी टेलर,राजेंद्र जी यादव सूरजपुरा,बाबूलाल यादव भूतपूर्व सैनिक समेत सैकड़ो स्वयंसेवक एवं सम्मानित नागरिक शामिल हुए।

मनोहरपुर में हर्षोल्लास और उत्साह से मनाया गया द्वितीय करवा चौथ महोत्सव

- **अग्रवाल समाज की महिलाओं ने लिया बढ़ चढ़ भाग**

चमकता राजस्थान। मनोहरपुर (खलील कुरैशी) मनोहरपुर नगरपालिका परिक्षेत्र में करवा चौथ की पूर्व संध्या पर अग्रवाल धर्मशाला गांधी चौक में हर्षोल्लास और उत्साह के साथ द्वितीय करवा चौथ समारोह आयोजित किया गया उल्लेखनीय है कि इस दौरान अग्रवाल महिलाओं द्वारा बहुत ही अनेक सांस्कृतिक, धार्मिक, साहित्यक, क्रियाशील कार्यक्रम आयोजित किए गए आपको बता दें कि इन सभी कार्यक्रमों में सभी अग्रवाल महिलाओं ने बहुत जोश के साथ भाग लिया इस मौके पर कार्यक्रम की शुरुआत में अग्रवाल महिलाओं द्वारा सामूहिक मेहंदी कार्यक्रम हुआ उसके उपरांत विभिन्न प्रकार के गेम्स और नाच गान का आयोजन हुआ कार्यक्रम के मध्य में विभिन्न प्रकार के नाश्ते की व्यवस्था भी की गई सभी अग्रवाल महिलाओं ने बहुत ही उत्साह और उमंग के साथ कार्यक्रम का आनंद लेकर करवा चौथ महोत्सव कार्यक्रम को सफल बनाया।

कार्यकर्ताओं के काम न होने से क्षेत्र में नाराज़गी का डर

गोपाल शर्मा ने लगाया अपनी ही पार्टी के लोगो लोगों पर कांग्रेस से मिलीभगत का आरोप

चमकता राजस्थान

जयपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय में मुख्यमंत्री के अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए विधायक गोपाल शर्मा ने भाजपा के नेताओं को ही घेर लिया। विधायक ने इशारों में कांग्रेस पार्टी के विधायकों से मिलीभगत का आरोप लगाया।

विधायक गोपाल शर्मा ने कहा कि हम अपने सामने मीट की दुकानें देखेंगे। उनसे फैलने वाली महामारी देखेंगे और मीट की दुकान वालों से सौदेबाजी करेंगे। अगर हम शराब की अवैध दुकानें देखेंगे और रफीक खान से मिलने का काम करेंगे। रफीक खान, प्रताप सिंह खाचरियावास व कागजी के इशारे पर काम करेंगे तो भाजपा के सपने को साकार नहीं कर सकते।

मिली जानकारी के अनुसार विधायक गोपाल शर्मा इन दिनों अपने कार्यकर्ताओं के कार्य न करवा पाने के कारण कार्यकर्ताओं में नाराज़गी से क्षुब्ध नज़र आए आ रहे हैं।

कार्यकर्ताओं के कार्य न होने पर कई कार्यकर्ता दबी ज़ुबान में विरोध प्रकट कर रहे हैं,जिससे शर्मा को क्षेत्र में लोगों की नाराजगी का डर है।

उन्होंने कहा कि रफीक खान पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज है। प्रताप खाचरियावास के परिवार पर कई एफआईआर दर्ज है। अगर कार्यवाही नहीं होती है तो तकलीफ होती है। हम उन्हीं के साथ बैठते है, उनसे हाथ मिलाते है और उनकी कृपा से बने रहना चाहते है तो आप सोचिए की भारतीय जनता पार्टी तो रह सकती है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी से सिद्धांत नहीं रह सकते।

उन्होंने सभा में सवाल उठाते हुए कहा कि हम खुद को संघ का स्वयंसेवक व भारत माता का पुत्र बताते है, लेकिन क्या कही रिश्वत लेते हमारी जेब ढिली तो नहीं हो जाती। क्या भ्रष्टाचार करते समय हमारे हाथ कांपने लग जाते है। क्या कांग्रेस के लगाए अफसरों से सांठगांठ करते हुए हमारा मन इसलिए नहीं कांपता कि उन्होंने कितना दर्द दिया है।

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने श्री श्याम सेवा संघ समिति के 38वें वार्षिक महोत्सव में भाग लिया

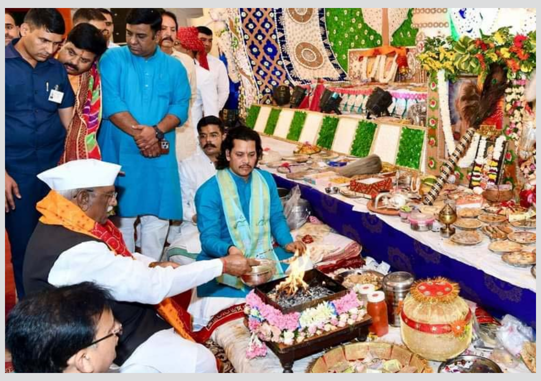

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 20 अक्टूबर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने रविवार को हसनपुरा स्थित शांति नगर पार्क में श्री शयाम सेवा संघ समिति के 38वें वार्षिक महोत्सव में भाग लिया। उन्होंने वहां पर किए जा रहे यज्ञ में भी आहूति दी।इस दौरान उन्होंने 551 दीपकों की महाआरती के साथ प्रारंभ हुए इस महोत्सव की विभिन्न धार्मिक गतिविधियों की सराहना की और शयाम बाबा की झांकी के दर्शन कर उनसे राष्ट्र और राज्य की खुशहाली और संपन्नता के साथ सभी के मंगल के लिए कामना की।

चूरू जिले में थाना राजगढ़ पुलिस की कार्रवाई

- **सुरेंद्र जड़िया हत्याकांड में 5 साल से फरार 20 हजार का इनामी गिरफ्तार**

चमकता राजस्थान। जयपुर/चूरू,!(खलील कुरैशी)20 अक्टूबर। चूरू जिले की राजगढ़ थाना पुलिस की टीम ने सुरेंद्र जड़िया हत्याकांड में 5 साल से फरार चल रहे अभियुक्त नवीन पुत्र भीम विंग्ग निवासी नांधा हरियाणा को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी की गिरफ्तारी पर जिला एसपी द्वारा 20 हजार रुपये का इनाम घोषित हैएसपी जय यादव ने बताया कि 9 मई 2019 की शाम करीब 7:30 बजे कस्बा राजगढ़ में जड़िया ट्रांसपोर्टर सुरेंद्र उर्फ ढिल्लू की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने गैंगस्टर संपत नेहरा सहित सभी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया था, आरोपी नवीन सिंह पांच साल से मामले में फरार चल रहा था एसपी यादव ने बताया कि फरार अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक किशोरी लाल व सीओ निश्चय प्रसाद एम आईपीएस के सुपरविजन एवं एसएचओ राजगढ़ पुष्पेंद्र झाझडिया के नेतृत्व में गठित की गई स्पेशल टीम द्वारा आरोपी नवीन को पनाह देने वाले लोगों पर लगातार निगरानी रखी जाकर आसूचना संकलित की जा रही थी। इस वजह से आरोपी लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। लगातार ठिकाने बदलने के कारण आरोपी पुलिस की गिरफ्त में नहीं आ रहा था। वहीं पुलिस लगातार पीछा कर रही थी। इसी दौरान शनिवार को सूचना मिली कि आरोपी हरियाणा से बीकानेर जा रहा है। सूचना पर बहल रोड राजगढ़ पर नाकाबंदी कर आरोपी को दस्तयाब किया गया। जिसे बाद अनुसंधान गिरफ्तार कर अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है। अभियुक्त की गिरफ्तारी में कांस्टेबल नवीन कुमार की विशेष भूमिका रही है।एसपी यादव ने बताया कि बालाजी ट्रांसपोर्ट व जड़िया ट्रांसपोर्ट संचालकों में व्यापारिक प्रतिस्पर्धा व द्वेषता के कारण पूर्व में बालाजी ट्रांसपोर्ट के मालिक करतार सिंह पूनिया की हत्या कर दी गई थी। उसके बाद दोनों ट्रांसपोर्ट ग्रुप के बीच रंजिश शुरू हो गई। बालाजी ट्रांसपोर्ट संचालको द्वारा जेल में बंद कुख्यात गैंगस्टर संपत नेहरा से व्हाट्सएप कॉल के जरिये बात कर सुरेंद्र उर्फ ढिल्लू को मारने के लिए षड्यंत्र रचा। घटना के रोज संपत नेहरा की तीन शूटरों दिनेश डागर उर्फ फौजी, पवन तोतला उर्फ पहलवान एवं नवीन झज्जर ने गोली मारकर सुरेंद्र जड़िया की हत्या कर दी थी।

कर्मचारी महासंघों द्वारा आयोजित किया जाएगा संयुक्त धरना प्रदर्शन

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी) दिनांकः 20 अक्टूबर 2024। अखिल राजस्थान राज्य ठेका/ निविदा/ प्लेसमेंट एजेंसी कर्मचारी संयुक्त महासंघ के नेतृत्व में प्रदेश के समस्त सरकारी/ अर्ध सरकारी/ बोर्ड/ निगम/ कार्यालयों में प्लेसमेंट एजेंसी/ निविदा/ ठेका/एन.जी.ओ के माध्यम से कार्यरत कर्मचारियों द्वारा दिनांक 21 अक्टूबर 2024 को शहीद स्मारक, गवर्नमेंट हॉस्टल, जयपुर पर धरना दिया जाएगा। कर्मचारी महासंघ कोर कमेटी सदस्य जहीर अहमद ने बताया कि बजट सत्र 2023 - 24 की बिंदु संख्या 159 में प्रदेश के समस्त सरकारी विभागों से प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से कार्मिकों को लेने की प्रथा को समाप्त कर एक नई सरकारी स्वामित्व की ₹राजस्थान लॉजिस्टिकल सर्विस डिलीवरी कॉरपोरेशन₹ बनाने की घोषणा की गई थी। इस कारपोरेशन के गठन का कार्य धरातल पर न उतर पाने के कारण प्रदेश के समस्त सरकारी विभागों में कार्यरत प्लेसमेंट एजेंसी कर्मचारियों ने 21 अक्टूबर को सरकार के ध्यान आकर्षण के लिए अपने वाजिब मांगो के संबंध में धरने पर जाने का निर्णय किया है। कोर कमेटी सदस्य कृष्णकांत लवानिया एवं मनोज जांगिड़ ने बताया कि धरने में चिकित्सा विभाग, 108 /104 एंबुलेंस सेवा, 112 डायल वाहन चालक, शिक्षा विभाग, पंचायती राज विभाग, कृषि विपणन विभाग, विद्युत विभाग राजस्थान कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड, शासन सचिवालय जैसे महत्वपूर्ण विभागों के प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से कार्य करने वाले कर्मचारी शामिल होंगे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929